आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 22 नवंबर 2025
वर्ष : 5 ■ अंक : 23
पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

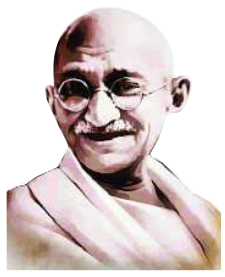

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

फर्जी जमीन सौदों से करोड़ों की अजीब ठगी

पेज-2

सिंगर जुबिन नौटियाल उज्जैन पहुंचे

पेज-5

यशवंत क्लब में संविधान संशोधन की सुगबुगाहट

पेज-6

विश्व धरोहर सप्ताह : सुंदरता का नायाब उदाहरण लालबाग पैलेस

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। होलकर रियासत में बनाया गया लालबाग पैलेस 72 एकड़ भू क्षेत्र में फैला है, जिसके 04 एकड़ पर 45 कमरों से निर्मित यह पैलेस अपनी भव्यता, कलात्मकता और सुंदरता का नायाब उदाहरण है। इसे बनाने की योजना तुकोजीराव द्वितीय के शासन काल के वर्ष 1877 में राज्य के इंजीनियर मिस्टर केरी ने बनाई थी। इसका निर्माण युवराज शिवाजीराव होलकर के निवास के लिए किया गया था। 1884 तक महल बनकर तैयार हो गया। मूलत : इसका निर्माण कार्य 06 वर्षों में पूर्ण हुआ जिस पर कुल 36 लाख रूपये की लागत आई थी इसके निर्माण रोमन शैली में, पेरिस के राजमहलों वाली सजावट, बेल्जियम की कांच कला, कलात्मक झाड़ फानुस व कसारा संगमरमर के स्तंभ आदि से परिपूर्ण हैं। दरबार हॉल में छतों पर निहायत ही खूबसूरत पेंटिंग्स देखी जा सकती हैं। इसके अलावा कीमती, कलात्मक फर्नीचर और गलीचों से इसकी साज-सज्जा की गई थी।

शो-कॉज नोटिस जारी करने के साथ होगी जांच-कलेक्टर

एसआईआर में जिला पस्त निर्वाचन सुपरवाइजर पार्टी में मस्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे राष्ट्रीय और महत्वपूर्ण काम में देरी से पत्रक मिलने के कारण इंदौर जिला पिछड़ा हुआ है। ऐसे में जहां एक ओर सभी बीएलओ पूरी तरह इसी काम में जुटे हैं। वही निर्वाचन सुपरवाइजर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इसमें वेंडरों के साथ एक फॉर्म हाउस पर पार्टी मनाते नजर आ रहे हैं। मामला कलेक्टर शिवम वर्मा के संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण का काम में अगर अवकाश लेकर ऐसी पार्टी की जा रही है तो मामला गंभीर है। इसमें शोकॉज नोटिस जारी किया जा रहा है और जांच होगी।

सुपरवाइजर अंतिम दुबे का वेंडरों संग डांस करते वीडियो वायरल

वीडियो में सुपरवाइजर अंतिम दुबे डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठ रहे हैं कि वे खुद ही वेंडरों के साथ ऐसी पार्टी करेंगे तो सख्ती से काम कैसे करवा सकेंगे। अहम यह कि इंदौर में वेंडर भरत सिंह के पास पत्रक की छपाई का जिम्मा था। इस पार्टी में वेंडर यशवंत, राकेश जोशी, भरत सिंह भी मदमस्त होकर नजर आ रहे हैं। इसे सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है।

कलेक्टर बोले- जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी

हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि यह सुपरवाइजर और वेंडरों का व्यक्तिगत मामला है लेकिन कुछ लोगों का दावा है कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण काम के बीच अंतिम दुबे अवकाश पर हैं। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सुपरवाइजर का ऐसा व्यवहार ठीक नहीं है। जांच पूरी होने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस में हारने वाले ही बन रहे बाजीगर

विधानसभा चुनाव हारी एक और महिला को दी गई बड़ी जिम्मेदारी

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● शाहरूख खान की फिल्म बाजीगर का एक डायलॉग है-हार कर जीतने वाले को बाजीगर कहते हैं। लेकिन कांग्रेस में तो स्थिति यह है कि हारने वाले नेता ही बाजीगर बन रहे हैं। उन्हें जीतने की जरूरत नहीं है। इस कड़ी में ताजा मामला महिला कांग्रेस में सामने आया है। महिला कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर विधानसभा चुनाव हा चुकी एक और नेत्री को अध्यक्ष बनाया गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने हाल ही में रीना बौरासी को अध्यक्ष बनाया है, जो 2023 में विधानसभा का चुनाव हार चुकी हैं।

महिला प्रदेश अध्यक्ष पर नई ताजपोशी ने एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर कांग्रेस चुनाव हारने वाली महिला नेत्रियों पर संगठन की बागडोर क्यों सौंपती है। महिला कांग्रेस के एक दशक का इतिहास देखा जाए, तो इस पद पर रही नेत्रियां कभी भी विधानसभा व निकाय चुनाव जीत नहीं सकी हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस ने महिला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारणी की घोषणा के एक महीने बाद इंदौर के सांवेर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार चुकी रीना बौरासी को अध्यक्ष पद की कुर्सी सौंप दी। दावा किया जा रहा है कि यह नियुक्ति दिल्ली से हुई है और वकायदा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा की गई है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस नियुक्ति में सीधे-सीधे मध्यप्रदेश के उन नेताओं और उनसे जुड़े खास किरदारों की सीधी भूमिका है, जो पार्टी की सत्ता के दौरान पॉवर में रहे है।

चुनाव हारने के बाद बढ़ा कांग्रेसी नेत्रियों का कद

मप्र कांग्रेस की राजनीति में चार ऐसी महिला नेत्रियां हैं, जिनके चुनाव हारने के बाद उनका कद बढ़ाया गया है। वर्ष 2022 में महिला कांग्रेस की प्रदेश बनी विभा पटेल वर्ष 2013 के चुनाव में गोविन्दपुरा विधानसभा सीट से कांग्रेस की प्रत्याशी रही हैं, जहां उन्हें पराजय झेलनी पड़ी थी। इसी प्रकार पिछले भोपाल नगर निगम के मेयर पद के चुनाव में भी कांग्रेस ने उन्हें प्रत्याशी बनाया, लेकिन वो चुनाव जीत नहीं सकी। इंदौर की अर्चना जायसवाल भी प्रदेश महिला कांग्रेस के अध्यक्ष की कुर्सी पर दो बार बैठ चुकी हैं। उन्होंने वर्ष 2010 से 2015 तक इस पद का दायित्व निभाया। उन्हें वर्ष 2021 में एक बार फिर से तब अध्यक्ष बनाया गया, जब मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष मांडवी चौहान के निधन की वजह से पद खाली हुआ था। ओझा को भी कांग्रेस ने इंदौर नगर निगम के मेयर पद का टिकट दिया था, किन्तु वे चुनाव नहीं जीत सकी। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष रही शोभा ओझा के पास भी मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की कमान रही है। जिन्हें कांग्रेस ने वर्ष 2008 के विधानसभा चुनाव में इंदौर विधानसभा क्रमांक 5 से चुनाव लडने़ का टिकट दिया था, किन्तु उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दो दिन पहले प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष बनाई गई रीना बौरासी को वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने इंदौर के सांवेर से प्रत्याशी बनाया था। किन्तु उन्हें जीत नहीं मिल सकी।

एक महीने में दिखेंगे बड़े बदलाव ट्रैफिक होगा आसान-महापौर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने का कार्य तेजी से जारी है। इसी क्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं निगमायुक्त दिलीप यादव ने देर रात जीपीओ से शिवाजी वाटिका चौराहे तक चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने एजेंसी को निर्देश दिए कि कार्य सुरक्षित तरीके से हो और यातायात बाधित न हो। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को सुचारू यातायात उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए तेजी से कार्य सम्पन्न किया जा रहा है। इस अवसर पर अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर और बीआरटीएस हटाने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

महापौर भार्गव ने बताया कि आमजन को इसका वास्तविक लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। कार्य की गति के अनुसार अगले एक महीने में एक तरफ के डिवाइडर पूरी तरह हट जाएंगे, इसके बाद बाकी कार्य भी तेजी से पूर्ण कर शहर को बेहतर यातायात उपलब्ध होगा।

न्यूज ब्रीफ

- दिल्ली : इंटरनेशनल आर्म्स रैकेट का भंडाफोड़, पाकिस्तान से आए हथियारों की बड़ी खेप बरामद
- नई सरकार को सहयोग देने के लिए तैयार, बशर्ते सीमांचल के साथ इंसाफ करें : ओवैसी
- राजस्थान में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 48 आईएएस अफसरों के तबादले
- गुवाहाटी टेस्ट : साउथ अफ्रीका ने जीता टॉस, भारत की पहले गेंदबाजी
- एच-1बी वीजा पर ट्रंप से टकराने वाली मार्जोरी टेलर ग्रीन ने किया इस्तीफे का ऐलान
- दिल्ली में सुबह से धुंध की चादर, आईटीओ इलाके में 370 पहुंचा एक्यूआई
- ट्रंप ने मिनेसोटा में रहने वाले सोमालियों का अस्थायी संरक्षित दर्जा तत्काल प्रभाव से समाप्त किया
- बांग्लादेश में आए भूकंप से अब तक 10 लोगों की मौत
- गुवाहाटी में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच आज से शुरू होगा दूसरा टेस्ट मैच
- यूएस : न्यूयॉर्क के मेयर ज़ोहरान ममदानी से ट्रंप ने व्हाइट हाउस में की मुलाकात
- युद्ध समाप्त करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर जेडी वेंस से बात की : यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की

क्रिश्चियन कॉलेज की 500 करोड़ की जमीन पर रिट अपील भी हाईकोर्ट से खारिज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● क्रिश्चियन कॉलेज की 500 करोड़ की जमीन के खेल को रोकने के लिए इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने अक्टूबर में आदेश जारी किए थे। इस आदेश और नोटिस के खिलाफ कॉलेज के प्रिंसिपल अमित डेविड ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जो खारिज हो गई थी। इसके बाद अब कॉलेज प्रबंधन ने रिट अपील दायर की थी। इसमें भी हाईकोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। यह वही कॉलेज हैं जहां से प्रसिद्ध गायक किशोर कुमार पढ़े हुए हैं और इंदौर व मप्र की कई हस्तियों ने शिक्षा हासिल की है।

हाईकोर्ट इंदौर के सिंगल बेंच के आदेश को कॉलेज ने रिट अपील के जरिए चुनौती दी थी। इसमें तर्क था कि मेरिट पर प्रबंधन के पक्ष को नहीं सुना गया और हाईकोर्ट सिंगल बेंच ने याचिका निराकृत कर दी। रिट अपील में कहा गया कि यह नोटिस तो बहाना है, प्रशासन पहले ही तय कर चुका है कि जमीन को सरकारी घोषित करना है।

एक्यूआई लगातार 200 पार जा रहा, आसपास के वायु गुणवत्ता सूचकांक अधिक

ठंड बढ़ते ही शहर की हवा हुई खराब

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सर्दियों के दिनों में धूल के कण कोहरे के चलते बढ़ जाते हैं और ऊपर वातावरण तक नहीं जा पाते, जिसके कारण सुबह के अलावा दिन और शाम को भी कोहरे की स्थिति नजर आती है। इंदौर में लगातार कुछ दिनों से कई क्षेत्रों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खराब स्थिति में बना हुआ है।

ठंड के कारण प्रदूषण का स्तर भी बढ़ गया और एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी हवा की गुणवत्ता में भी वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि

अन्य शहरों की तुलना में इंदौर की स्थिति फिर भी अधिक बिगड़ी हुई नहीं है। अभी दीपावली पर हुई जोरदार आतिशबाजी के कारण भी वायु प्रदूषण बिगड़ा था। इंदौर में भी आतिशबाजी के बाद ठंड का जो असर बढ़ा उसके कारण भी स्थिति में परिवर्तन हुआ और सड़कों की बदहाली, गड्ढों के साथ-साथ अभी जो बीआरटीएस को तोड़ने की कार्रवाई चल रही है उसके कारण भी पूरे क्षेत्र में धूल, मिट्टी उड़ती है और ठंड के कारण उसकी परत नीचे ही जम जाती है। वाहनों की संख्या भी शहर में लगातार बढ़ रही है और औद्योगिक उत्सर्जन और निकलने वाला धूल-धुआं भी प्रदूषण को बिगाड़ रहा है।

बैठक | विद्यार्थी पोर्टल पर फॉर्म भरने, मार्गदर्शन-फार्म भरने में भी करेंगे सहयोग

कॉलेज के विद्यार्थियों के सहयोग से जगह-जगह होगी हेल्प डेस्क स्थापित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिले में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का कार्य तेज गति से जारी है। इस कार्य को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी को मद्देनजर रखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा के निर्देशन में अभिनव पहल करते हुए नवाचार किया जा रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कॉलेज विद्यार्थियों को भी निर्वाचन की सहायक प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा ने जिले के शासकीय और अशासकीय कॉलेजों के संचालकों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिले में चल रही मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया की जानकारी दी और सभी से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में

एसआइआर की कार्यवाही पूरी गंभीरता और गति के साथ संचालित की जा रही है। इसी प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक अभिनव पहल की है, जिसके तहत कॉलेज विद्यार्थियों को भी निर्वाचन की सहायक प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है। अभिनव पहल के तहत शहर की विभिन्न रेजिडेंशियल सोसाइटीज में हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे, जिन पर प्रशिक्षित विद्यार्थी नागरिकों को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पोर्टल पर फॉर्म भरने में मार्गदर्शन करेंगे।

कॉलेज कैंपस में हेल्प डेस्क स्थापित होंगे

बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। कुछ कॉलेजों ने स्वेच्छा से अपने कैंपस में स्थायी हेल्प डेस्क स्थापित करने का प्रस्ताव दिया, जिससे नागरिक सीधे कॉलेज पहुँचकर फॉर्म भर सकेंगे। कलेक्टर ने इन सुझावों को सराहते हुए कहा कि जहां-जहां यह संभव होगा, वहां कॉलेज कैंपस में भी हेल्प डेस्क संचालित किए जाएंगे। बैठक में बताया गया कि निर्वाचन की इस प्रक्रिया से जुड़े विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र भी दिए जाएंगे। यह प्रमाणपत्र उनके केरियर में मददगार बनेंगे। उन्होंने कहा कि सभी अत्यंत परिश्रम से कार्य करें, विश्वास है कि जिले में एसआइआर की प्रक्रिया समयसीमा में पूर्ण रूप से संपन्न होगी।

ड्रिंक एंड ड्राइव पर पुलिस प्रशासन की सख्ती

शराबियों ने 11 माह में 20.50 करोड़ रुपए जुर्माना भरा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ड्रिंक एंड ड्राइव को लेकर पुलिस हर रात को सख्ती करती है। इसमें शराब पीकर वाहन चलाने वालों के वाहन जब्त किए जाते हैं। फिर लगता है दस हजार का जुर्माना। जब इस जुर्माने की राशि पता की तो चौंकाने वाली बात सामने आई। जनवरी से अभी तक 20 नवंबर तक एक-दो करोड़ नहीं बल्कि शराबी ड्राइवर बीस करोड़ से ज्यादा राशि दे चुके हैं। क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश दंडोतिया के अनुसार 1 जनवरी से 20 नवंबर 2025 के बीच इंदौर पुलिस 20 हजार 544 चालान बना चुकी है। एक चालान में 10 हजार का जुर्माना होता है, यानी जुर्माने की राशि हुई 20 करोड़, 50 लाख 44 हजार रुपए। इंदौरियों ने शराब पीकर वाहन चलाने के चलते 20.50 करोड़ रुपए केवल जुर्माने में दे दिए हैं। पुलिस की चेकिंग में हर महीने औसतन दो हजार से ज्यादा शराबी वाहन चालक पकड़े जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

शुक्ला स्मृति पत्रकारिता एवं ज्योतिष सम्मान समारोह 4 दिसंबर को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वरिष्ठ पत्रकार विद्याधर शुक्ला एवं ज्योतिषाचार्य ज्वालाप्रसाद शुक्ला स्मृति पत्रकारिता एवं ज्योतिष सम्मान समारोह गुरुवार, 04 दिसंबर को अभिनव कला समाज में आयोजित किया गया है। पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मणसिंह गौड़ की स्मृति में फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। कार्यक्रम संयोजक शैलेंद्र शुक्ला एवं नवनीत शुक्ला ने बताया कि दैनिक दोपहर एवं और स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के सहभाग से आयोजित इस कार्यक्रम में पत्रकारिता में उल्लेखनीय कार्य करने वाले छः पत्रकारों और ज्योतिष के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले दो ज्योतिष को सम्मान निधि एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा।

अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिये लिंक ओपन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले के समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता योजनान्तर्गत एम.पी.टास पोर्टल पर आवेदन दर्ज किए जाने हेतु पोर्टल पर वर्ष 2023-24 के लिए 30 नवम्बर एवं वर्ष 2024-25 के लिए 31 दिसम्बर तक लिंक खोल दी गई हैं। समस्त शासकीय/ अशासकीय महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र-छात्राऐं एम.पी.टास पोर्टल पर निर्धारित समय-सीमा में आवेदन दर्ज कर सकते हैं। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन करते समय किसी भी प्रकार की समस्या होने पर विद्यार्थी कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक-215, सहायक आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास विभाग में सम्पर्क कर सकते हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड्स के साथ यूलिप आज भी मज़बूत विकल्प- अग्रवाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अस्थिर बाजार हमेशा चिंता का विषय रहा है। कई मध्यम वर्ग के निवेशक अपनी पूंजी को बढ़ाने के साथ- साथ इस अस्थिरता से इसे कैसे सुरक्षित रखें, इस बात को लेकर चिंतित हैं। इस चिंता को दूर करते हुए, बंधन लाइफ इंश्योरेंस के इक्विटी हेड अविनाश अग्रवाल ने कहा कि फ्लेक्सी-कैप फंड्स को यूलिप (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान) के साथ जोड़ना धन वृद्धि का एक शक्तिशाली तरीका है और इस अनिश्चित समय में आपका भविष्य सुरक्षित करता है। कोविड के बाद आए सुधार के बाद बाजारों ने मजबूत प्रदर्शन किया है, हालांकि पिछले वर्ष अस्थिरता फिर लौट आई—जो इक्विटी चक्र में पूरी तरह सामान्य है।

बिल्डर्स से फर्जी जमीन सौदों से करोड़ों की अजीब ठगी, हुआ केस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में बिल्डरों के साथ सांवेर रीजन में अजीबो गरीब ठगी हुई है। सालों से सांवेर रीजन में एक गैंग सक्रिय है, जो बड़े-बड़े बिल्डरों के साथ करोड़ों की ठगी कर चुकी है। आखिरकार इंदौर के बिल्डर संजय दासौद की शिकायत पर इस गैंग के लोगों के खिलाफ चार सौ बीसी का केस हुआ है।

संजय चौधरी गैंग का मास्टरमाइंड

बिल्डर्स से ठगी करने वाले इस फर्जीवाड़े गैंग का मास्टरमाइंड और मुखिया बिसनावदा इंदौर निवासी संजीव उर्फ संजय चौधरी है। इसके साथ पूरी 10-12 लोगों की गैंग है। यह गैंग बिल्डर और बड़ी जमीन खरीदने वालों को घेरती थी। पहले यह जमीन दिखाती थी और फिर उनके फर्जी कागज तैयार कराकर दिखा देती थी। इसके बाद इन्हीं फर्जी कागज के आधार पर यह उन्हें जमीन की रजिस्ट्री भी करा देती थी। इसके जरिए इस गैंग ने करोड़ों की ठगी की है।

बिल्डर दासौद के साथ धोखाधड़ी में केस

बिल्डर संजय दासौद की शिकायत पर गैंग के खिलाफ केस हुआ है। दासौद ने बताया कि इन्होंने प्रमोद खाती के नाम से खाता खुलवाया और उसकी जमीन बताई। खरीदी के लिए 1.50 करोड़ का भुगतान चेक से और 1.70 करोड़ नकद लिया। साथ ही जमीन रजिस्ट्री में 49.59 लाख लगे। इस तरह ग्राम बालोदा सर्वे नंबर 87/01 की जमीन का फर्जी सौदा करते हुए 3.72 करोड़ की ठगी की गई। बताया जाता है कि यह गैंग इसके पहले बिल्डर आरपी महेशवरी, जयेश शाह व अन्य कई बड़े लोगों के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी को अंजाम दे चुकी है। बिल्डर चिंतन बाकलीवाल की शिकायत पर तो चौधरी एक बार जेल भी जा चुका है।

गैंग में इस पर हुई एफआईआर

सांवेर थाने में बिल्डर संजय दासौद, 17, सीताबाग इंदौर की शिकायत पर आईपीसी धारा 420, 467, 468, 419, 471, 120बी व 34 धारा में केस दर्ज हुआ है। इसमें आरोपी संजीव उर्फ संजू उर्फ संजय चौधरी पिता कैलाश चौधरी निवासी बिसनावदा, प्रमोद पिता सुखराम खाती निवासी खुड़ैल, संदीप पिता दिलीप सिंह निवासी धन्नड़ राउ, आनंदीलाल सेठ पिता अंबाराम खाती निवासी धन्नड़, अमित पिता हरीराम पटेल निवासी कजराना सांवेर, वर्षा भट्ट पिता दिनेश भट्ट, निवासी शिवाजीनगर, अश्विन उर्फ गोलू पिता प्रकाश पटेल, तराना सांवेर, गौरव पिता संजीव चौधरी निवासी बिसनावदा यह सभी बनाए गए हैं।

इंदौर शहर में पांच नए बिजली जोन की मंजूरी

अंडरग्राउंड सब डिविजन और सिंहस्थ डिविजन पर भी बोर्ड मिटिंग में मुहर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में बिजली वितरण अब मौजूदा 30 की बजाए अब 35 जोन से होगा। वहीं इंदौर शहर के विस्तारित होने व नई कॉलोनियों की अंडर ग्राउंड बिजली लाइनों की देखरेख के लिए अंडर ग्राउंड लाइन संधारण के लिए डिविजन और सिंहस्थ 28 के लिए डिविजन बनाए जाएंगे। ये निर्णय मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मिटिंग में शुक्रवार शाम लिए गए। मिटिंग की अध्यक्षता प्रदेश के ऊर्जा सचिव एवं बिजली वितरण कंपनियों के अध्यक्ष अविनाश लावनिया ने की। इसमें वित्त विभाग के आरआर मीणा, प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह, ऊर्जा विभाग ओएसड़ी वीके गौड़, डॉ. अरूणा तिवारी, डॉ. प्रशांत सालवान, समेत विभिन्न सदस्य व मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान व अन्य अधिकारी मौजूद थे। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि शहर के पांच नए जोन में तुलसी नगर, मांगलिया शहरी जोन, सिलिकॉन सिटी

जोन, बिलावली जोन, नंदबाग जोन बनेंगे। ये सभी नए जोन समीप के मौजूदा बिजली जोन से संबंधित उपभोक्ताओं से जोड़कर त्वरित बिजली सेवा समीप के ही नए जोन के माध्यम से उपलब्ध कराने के लिए तैयार किए जा रहे हैं। इसी के साथ ही यूजीएन सब डिविजन यानि अंडर ग्राउंड लाइन सब डिविजन भी बनेगा, जो स्मार्ट सिटी व अन्य इलाकों, नई कॉलोनियों की अंडर ग्राउंड लाइन का संधारण देखेगा। मिटिंग में नए जोन व अंडर ग्राउंड सब डिविजनों की मंजूरी आगामी एक वर्ष के लिए दी गई है।

महू उपद्रव आरोपी एहमद उर्फ अहमद दरबारी को कलेक्टर ने किया 6 माह के लिए जिलाबदर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर की महू तहसील में 9-10 मार्च की रात हुए उपद्रव के मामले में कलेक्टर ने कार्रवाई की है। आरोपी एहमद उर्फ अहमद दरबारी को इंदौर कलेक्टर ने 6 माह के लिए जिलाबदर कर दिया हैं। आरोपी एहमद उर्फ अहमद दरबारी पत्ती बाजार महू का निवासी है। अब आरोपी को 24 घंटे के भीतर जिला छोड़ना होगा।

इन जिलों में किया गया प्रतिबंधित

इंदौर कलेक्टर के आदेश के तहत दरबारी को 6 माह के लिए जिलाबदर किया गया है। उसका इंदौर के साथ पड़ोसी जिलों उज्जैन, धार, देवास, खरगोन व खंडवा में प्रवेश निषेध किया है। कलेक्टर ने उसे आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति माना है। उस पर लगे आरोप भी गंभीर माने गए हैं। महू उपद्रव के आरोपी के जिलाबदर के मामले को ऐसे समझें

महू उपद्रव में अहमद दरबारी पर कार्रवाई : महू उपद्रव के आरोपी अहमद उर्फ अहमद दरबारी को इंदौर कलेक्टर ने 6 महीने के लिए जिलाबदर कर दिया है।

जिलाबदर के आदेश : दरबारी को इंदौर, उज्जैन, धार, देवास, खरगोन और खंडवा जैसे सीमावर्ती जिलों में प्रवेश करने से रोक दिया गया है।

आपराधिक आरोप : दरबारी पर पथराव, हिंसा, बलवा और दंगे भड़काने जैसे गंभीर आरोप पहले से दर्ज हैं।

इंदौर ग्रामीण एसपी की रिपोर्ट : 2021 से लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के कारण कलेक्टर ने यह फैसला लिया है।

दरबारी का पक्ष: दरबारी ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि वह अधिकांश मामलों में बरी हो चुका है, लेकिन गंभीर आरोपों को देखते हुए जिलाबदर किया गया।

उपद्रव में हुई थी एफआईआर

दरबारी पर पहले भी पांच से ज्यादा गंभीर धाराओं में अपराध रहे हैं। महू उपद्रव के दौरान 10 मार्च को उस पर फरियादी के आवेदन पर केस दर्ज हुआ था। फरियादी ने बताया कि उसने 16-17 अपने लोग जमा करके पथराव किया था और उपद्रव किया।

साल 2021 से केस हो रहे दर्ज

इंदौर ग्रामीण एसपी के प्रतिवेदन पर यह कार्रवाई हुई है। इसमें बताया गया कि दरबारी साल 2021 से लगातार आपराधिक गतिविधियां कर रहा है। आए दिन मारपीट, हथियारों के साथ बलवा करना, जान से मारने की धमकी देना, उन्माद पैदा करना, दंगे करना जैसे अपराध उसके खिलाफ दर्ज है।

कलेक्टर ने नोटिस जारी कर दरबारी का पक्ष सुना। इसमें उसने कहा कि वह निर्दोष है और अधिकांश केस में बरी हो चुका है। लेकिन ,अपराधों की गंभीरता को देखते हुए जिलाबदर के आदेश हो गए।

रोहिणी कलम की मौत ने खोला मध्यप्रदेश की खेल व्यवस्था का काला सच- अमित चौरसिया

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता एवं देवास जिला मीडिया प्रभारी अमित चौरसिया ने कहा कि देवास की अंतरराष्ट्रीय जू-जित्सु खिलाड़ी रोहिणी कलम की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई आत्महत्या ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा सरकार ने प्रदेश को महिला असुरक्षा और खेल भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है। यह केवल एक खिलाड़ी की मौत नहीं, यह मध्यप्रदेश में खिलाड़ियों की सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की हत्या है। भाजपा सरकार में बिना प्रमाण वाले लोग खिलाड़ियों पर थोपे जा रहे। प्रवक्ता अमित चौरसिया ने बताया कि प्रारम्भिक तथ्यों में यह बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि- विजेंद्र खरसोदिया और प्रीतम सिंह के राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी होने का कोई प्रमाण नहीं? जू -जितसू एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की सूची में दोनों का नाम केवल आयोजक/पदाधिकारी के रूप में मिलता है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, रिज़ल्ट PDF, SAI रिकॉर्ड, CRC भोपाल, MP Sports Board—कहीं भी दोनों का नाम खिलाड़ी या

भाजपा सरकार खिलाड़ियों की कब्रगाह बना रही है - तुरंत एसआईटी जांच, केंद्र व महिला आयोग की हस्तक्षेप की मांग-कांग्रेस

कोच के रूप में दर्ज नहीं। दोनों की भूमिका इवेंट संचालक/संघ पदाधिकारी तक सीमित—फिर भी ये लोग खिलाड़ियों पर 'कोच' बनकर दबदबा बनाए हुए थे। ऐसे फर्जी कोचों को खिलाड़ियों पर थोपने के लिए जिम्मेदार कौन?

क्या यही है भाजपा सरकार का 'खेलो इंडिया' मॉडल?- मध्यप्रदेश—महिला खिलाड़ियों के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश बन चुका है अमित चौरसिया ने कहा कि रोहिणी कलम का मामला सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में महिला खिलाड़ियों के लगातार हो रहे उत्पीड़न का नतीजा है। मोहन यादव सरकार में खिलाड़ियों की सुरक्षा भगवान भरोसे है हर महीने महिला उत्पीड़न की घटनाएँ बढ़ रही हैं। कोचों/पदाधिकारियों द्वारा मानसिक व शारीरिक शोषण के मामलों की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। सरकार न कार्रवाई करती है, न रोकथाम—सिर्फ लीपापोती और बयानबाजी से भाजपा सरकार अपनी नाकामी और निर्लजता को छुपाने का प्रयास करती है।

मोहन यादव, बताइए-बेटियाँ आखिर जाएँ कहाँ ? क्या प्रदेश सरकार ने खेल मैदान जल्लादों के हवाले कर दिए ? यह घटना सिर्फ देवास मे ही नहीं घटी बल्कि पुरे प्रदेश के खिलाड़ियों की यही दुर्दशा हो रही है जिसके कई प्रमाणित उदाहरण रीवा, इंदौर, जबलपुर सहित कई जिलों से चयन में सामने आए है भारी भ्रष्टाचार, मानसिक प्रताड़ना और कोचों की मनमानी के आरोप लगे है। कई खिलाड़ी सोशल मीडिया पर खुलकर कह चुके हैं कि खेल संघों में दलाल, पदाधिकारी, निजी स्वार्थी लोग हावी हैं। एकलव्य स्कूलों, खेल छात्रावासों और राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कैम्पों की स्थिति दयनीय और सुविधाएँ नाम मात्र की है।

कुमारी पिंक पार्टी में ग्लैमर के साथ महिलाओं का जोश, जीते कई उपहार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर की महिलाओं के उत्साह ने फीनिक्स मॉल सियाना पियाजा में गुरुवार की शाम को एक यादगार बना दिया। यहां माय एफएम ने शहर की अब तक की सबसे बड़ी और सबसे ग्लैमरस महिलाओं की पार्टी का आयोजन कर एक बार फिर साबित किया कि शहर में जश्न हो तो माय एफएम ही असली हीरो है।

इस शानदार शाम की शोभा बढ़ाने पहुंचीं बॉलीवुड अभिनेत्री मुग्धा गोडसे। इनकी मौजूदगी ने माहौल में चार चांद लगा दिए। उन्होंने कुमारी पिंक वॉक की 25 प्रतिभागियों में से रूपाली को विजेता चुना। जिन्हें कुमारी फाइन ज्वेलरी की ओर से चमकदार डायमंड रिंग भेंट की गई। बाकी सभी प्रतिभागियों को भी सुंदर कुमारी हैम्पर्स दिए गए। यहां चुनी गई 10 महिलाओं ने मजेदार पुष्प टंग ट्विस्टर चैलेंज में अपना हुनर दिखाया। सभी प्रतिभागियों को पुष्प मसाले हैम्पर्स दिए गए। विजेता को पुष्प मसाले की ओर से शैली और सुहानी ने सम्मानित किया। मंच पर महिलाओं की एनर्जी और हंसी ने पूरे कार्यक्रम में फन का तड़का लगा दिया। इसके बाद तीसरे रिवाज राउंड में ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से चुनी गई महिलाओं को स्टेज पर बुलाया गया। रोमांचक सवाल-जवाब के इस राउंड में प्रतिभागियों ने रिवाज हैम्पर्स जीतकर शाम को और खास बनाया।

दशहरा मैदान पर होने वाली श्रीराम शौर्य कथा के लिए भूमि पूजन संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अन्नपूर्णा रोड, दशहरा मैदान स्थित रामायण वाटिका पर 2 से 8 दिसम्बर तक होने वाली श्रीराम शौर्य कथा के लिए शुक्रवार को गरिमापूर्ण समारोह में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, जलसंसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, महापौर परिषद के सदस्य अभिषेक बबलू शर्मा एवं पार्षद योगेश गेंदर के आतिथ्य में वैदिक मंगलाचरण के बीच भूमि पूजन संपन्न हुआ।

भूमि पूजन के साथ ही दशहरा मैदान पर अयोध्या के विश्व विख्यात मानस मर्मज्ञ आचार्य शांतनु महाराज के श्रीमुख से होने वाली श्रीराम शौर्य कथा के लिए भव्य पंडाल का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है। भूमि पूजन समारोह में संस्था छवि सोशल वेलफेयर सोसायटी की ओर से समाजसेवी गोपाल गोयल, अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन की ओर से किशोर गोयल, संजय बांकड़ा, मनोज धनोतिया, पं. योगेन्द्र महंत, संदीप गोयल ऑटो, दुर्गेश अग्रवाल, नितिन अपेक्स एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। कथास्थल दशहरा मैदान को रामायण वाटिका नाम दिया गया है, जहाँ सनातन धर्म के प्रचार प्रसार एवं संवर्धन के लिए आचार्य शांतनु महाराज प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक श्रीराम शौर्य कथा की संगीतमय अमृतवर्षा करेंगे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को मिलेगी रफ़्तार - कलेक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को तीव्र गति देने, निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा ने आज विभिन्न कर्मचारी संगठनों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने एसआईआर प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी संगठनों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में प्रत्येक विभाग और संगठन की भूमिका अत्यंत अहम है, इसलिए सभी अधिकारी-कर्मचारी स्वयं भी फॉर्म भरें और दूसरों को जोड़ने में मदद करें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री रोशन राय सहित शिक्षा, कृषि एवं स्वास्थ्य विभाग के जिला अधिकारी भी उपस्थित थे। सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने आश्वस्त किया कि वे आगे आकर इस कार्य में पूर्ण सहयोग करेंगे।

सीनियर्स ने धमकाया और जबरन शराब पिलाई, कॉलेज ने 4 छात्रों को निलंबित किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज पर रैगिंग का एक बार फिर काला साया मंडरा रहा है। 2025 बैच के प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों ने यूजीसी के राष्ट्रीय रैगिंग विरोधी प्रकोष्ठ में शिकायत दर्ज कराई है। छात्रों ने आरोप लगाया है कि 2024 बैच के सीनियर छात्रों ने उन पर शारीरिक हमला किया, उन्हें जबरन धूम्रपान और शराब पिलाई, गाली-गलौज की, धमकी दी और बंधक बनाया।

पिछले दो वर्षों से रैगिंग के कई विवादों से जूझ रहा यह संस्थान एक बार फिर जांच के घेरे में है। इससे छात्रावासों और आवासीय फ्लैटों में सीनियर-जूनियर के बीच होने वाले दुर्व्यवहार को रोकने में बार-बार विफलता पर गंभीर चिंताएँ पैदा हो रही हैं। शिकायत के अनुसार, स्नातक छात्रों को कथित तौर पर एक निजी फ्लैट में बुलाया गया, जहाँ उनके चार वरिष्ठ छात्रों ने उन्हें थप्पड़ मारे, गालियाँ दीं, सिगरेट और शराब पीने के लिए मजबूर किया और लगभग तीन घंटे तक बाहर नहीं जाने दिया। शिकायतकर्ता ने शिकायत में आरोपी छात्रों के नाम के साथ-साथ अपने बैचमेट का नाम भी दर्ज किया है।

चार छात्र निलंबित

एमजीएम मेडिकल कॉलेज की रैगिंग विरोधी समिति ने मामले की जाँच शुरू की और आरोपी छात्रों के बयान दर्ज किए और पीड़ितों की भी पहचान की। बाद में, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने कहा कि उन्होंने रैगिंग समिति की सिफ़ारिश पर चार छात्रों को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया है।

बिजली कार्मिकों की नाइट राइडर्स टीम ने जीती क्रिकेट स्पर्धा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 15 जिलों के कार्मिकों की टी 20 लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फायनल मैच शुक्रवार दोपहर देवी अहिल्या विवि मैदान खंडवा रोड पर खेला गया। इसमें खंडवा-बुरहानपुर जिले की गठित टीम नाइट राइडर्स ने इंदौर की टीम रायल चेलेंजर्स को अत्यंत रोमांचक मैच में दो रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइट राइडर्स ने 20 ओवर में 189 रन बनाए थे। प्रतिद्वंदी टीम अंतिम समय तक 187 रन ही बना सकी। विजेता टीम के कप्तान सुनील मावस्कर व टीम को कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान आदि ने विशाल कप सौंपा। वहीं बेस्ट बालर नाइट राइडर्स के ही निर्मल यादव एवं बेस्ट बेट्समैन का पुरस्कार सचिन फरकले को प्राप्त हुआ। अन्य श्रेष्ठ खिलाड़ियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 22 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

तपस्या, साधना हमारी आत्मा को शुचिता व निर्मलता प्रदान करते हैं - प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा.

इंदौर • तपस्या और साधना हमारी आत्मा को शुचिता और निर्मलता प्रदान करते हैं। तप और संयम-साधना के मार्ग पर चलकर हम स्वयं को पवित्र और तपस्वी बनाने का पुरुषार्थ करें तो हमारी आने वाली पौध भी सत्य, अहिंसा और त्याग के बूते पर जिनशासन की प्रतिष्ठा को नई समृद्धि और ऊंचाईयां प्रदान करेंगी। तपस्या के मामले में इंदौर के समाज बंधु सबसे आगे रहते हैं, यह हम सबके लिए गौरव की बात है। ये प्रेरक विचार हैं युवा हृदय सम्राट जैनाचार्य प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. के, जो उन्होंने शुक्रवार को अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट पीपली बाजार, जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में वीआईपी रोड स्थित दलालबाग के विशाल परिसर में आयोजित धर्मसभा में उपस्थित उपधान तप के 133 तपस्वी बंधुओं तथा लाभार्थी परिवारों के बहुमान के दौरान आशीर्वचन देते हुए व्यक्त किए।

कांग्रेस और भाजपा का मालवा निमाड़ पर फोकस

इंदौर • प्रदेश में सत्ता का रास्ता मालवा-निमाड़ की सीटों से होकर गुजरता है। 66 विधानसभा क्षेत्रों में जिस पार्टी ने ज्यादा सीटें जीती। सरकार उसी दल की बनी। इसके चलते अब भाजपा और कांग्रेस मालवा निमाड़ को मजबूत करने में जुट गई है। कांग्रेस ने प्रदेश महिला कांग्रेस की कमान रीना बौरासी को सौंपी है। दोनों दलों ने अपने संगठन के कई प्रमुख पदों पर इस क्षेत्र के नेताओं को नियुक्त किया है। उन्होंने सांवेर से कांग्रेस के टिकट पर पिछला चुनाव लड़ा था, लेकिन मंत्री तुलसी सिलावट ने उन्हें हरा दिया था। इसके अलावा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी निमाड़ क्षेत्र की आदिवासी सीट गंधवानी से विधायक हैं। कांग्रेस के तीन बड़े पद मालवा निमाड़ के खाते में आ चुके हैं। वहीं भाजपा ने भी इंदौर और उज्जैन संभाग को संगठन की दृष्टि से चार भागों में बांटा है। पहले दोनो संभागों में एक-एक संगठन प्रभारी होते थे, लेकिन इस बार इंदौर और उज्जैन के अलावा मंदसौर व निमाड़ में भी संगठन प्रभारी बनाए हैं।

महाकाल मंदिर में भस्म आरती दर्शन के लिए बैंड से प्रवेश की व्यवस्था बंद

इंदौर • महाकाल मंदिर में भस्म आरती दर्शन में लागू रेडिया फ्रीक्वेंसी आइडी (आरएफआइडी) बैंड के माध्यम से मंदिर में प्रवेश की व्यवस्था को बंद कर दिया गया है। 15 नवंबर 2024 को मंदिर में नई पारदर्शी व्यवस्था की शुरुआत हुई थी, मंदिर समिति इसे एक साल भी नहीं चला पाई। यह भस्म आरती में हो रहे भ्रष्टाचार को रोकने में कारगर साबित हुई थी। अफसर प्रोटोकाल दर्शन में भी इसका उपयोग शुरू करने वाले थे, लेकिन बीते करीब एक माह से योजना बंद है। महाकाल मंदिर में गुरुवार को श्री महाकाल महालोक के त्रिनेत्र कंट्रोल रूप में श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की बैठक आयोजित हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें मुख्य निर्णय भक्तों के लिए डिजिटल सुविधाओं के विस्तार का था। मंदिर प्रबंध समिति ने जब आम भक्तों की सुविधा के लिए इतना महत्वपूर्ण कदम उठाया तो प्रचलित आधुनिक सुविधाओं की ओर ध्यान जाना लाजिमी था।

प्रमोशन में आरक्षण- सपाक्स के वकीलों ने रखा पक्ष सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का नहीं हो रहा है पालन

भोपाल (एजेंसी) • मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में शुक्रवार को एक बार फिर प्रमोशन में आरक्षण को लेकर सुनवाई हुई। कोर्ट में याचिकाकर्ता सपाक्स के वकीलों ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का पालन नहीं किया जा रहा है। इतना ही नहीं बिना आंकड़े जुटाए प्रमोशन पॉलिसी लागू की जा रहा है, जो गलत है। हाईकोर्ट ने आगे की सुनवाई के लिए दिसंबर के पहले सप्ताह का समय तय किया है। तब याचिकाकर्ता जिरह पूरी करेंगे। वहीं याचिकाकर्ता के बाद राज्य सरकार अपना पक्ष रखेगी। बता दें, सपाक्स ने मध्यप्रदेश की नई प्रमोशन पॉलिसी को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस से कराया अवगत

याचिकाकर्ता की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील नरेश कौशिक ने सपाक्स का पक्ष रखते हुए बताया कि 20 और 21 की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइंस से अवगत करवाया गया है। कोर्ट को बताया गया कि प्रमोशन को एक लेवल के ऊपर दिया जाए, तो रिजर्वेशन काउंटर प्रोटेक्टिव होगी। एक ऐसी क्लास खड़ी कर देगी, जो कि बराबरी से ऊपर उठ जाएगी। उससे फिर दोष पैदा होंगे, जो कि आर्टिकल 14 और 16 के सिद्धांत के अनुसार नहीं होगी।

हाईकोर्ट में गुरुवार को भी हुई थी सुनवाई

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने इससे पहले गुरुवार को मध्यप्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट के संबंधित न्याय दृष्टांत रेखांकित कर अपना पक्ष मजबूत करने भरसक प्रयास किया गया। बहस पूरी न होने के कारण शुक्रवार को सुनवाई जारी रखने की व्यवस्था दी गई थी। याचिकाकर्ताओं की बहस पूरी होने के बाद इस प्रकरण में राज्य

शासन की ओर तर्क प्रस्तुत किए जाएंगे। हाईकोर्ट ने नियत किया है कि यह मामला संवैधानिक दृष्टि से बेहद अहम है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से हाईकोर्ट को अवगत कराते हुए बताया गया कि जरनैल सिंह के प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने एम नागराज केस के निर्णय का पुनर्मूल्यांकन किया था। कोर्ट ने साफ किया था कि आरक्षण का समुचित लाभ तय करने के लिए उच्च पदों पर पहुंचे अधिकारियों का डेटा आवश्यक है। जब तक क्रीमीलेयर के वास्तविक आंकड़े नहीं जुटाए जाते, तब तक यह पता करना कठिन है कि पिछड़े वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व मिल रहा है या नहीं। लिहाजा, प्रमोशन में आरक्षण देने से पहले सरकार को यह साबित करना होगा कि संबंधित वर्गों का प्रतिनिधित्व कम है।

मंत्री से शिकायत के बाद नगरीय विकास विभाग का फैसला नगर निगम, नपा में एमआईसी, पीआईसी बैठक हर हाल में करें

भोपाल (एजेंसी) • प्रदेश के नगर निगमों, नगरपालिकाओं और नगर परिषदों में मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) और प्रेसिडेंट इन काउंसिल (पीआईसी) की बैठकों को लेकर राज्य शासन ने कड़ा रुख अपनाया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने दो टूक कह दिया है कि एमआईसी व पीआईसी की बैठकें तय समयसीमा में अनिवार्य रूप से कराएं। ऐसा नहीं करने पर एक्शन लिया जाएगा। बता दें कि बैठकें समय पर नहीं आने की शिकायतें आ रही थीं।

विभाग ने साफ कर दिया है कि बैठकें समय पर हों और शहर के विकास से संबंधित कोई मसला बैठक न होने की स्थिति में 10 दिन से अधिक पेंडिंग न रहे। मध्यप्रदेश नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 37 में नगर निगमों में मेयर इन काउंसिल का प्रावधान है और नगरपालिका व नगर परिषद में प्रेसिडेंट इन काउंसिल के गठन का प्रावधान मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 70 में है। सभी आयुक्त नगर निगम और सीएमओ नगरपालिका, नगर परिषद को दिए निर्देश में कहा गया है कि मेयर इन काउंसिल और प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक कभी भी हो सकती है, बैठक ऐसे समय को ध्यान में रखकर होनी चाहिए कि कोई भी प्रकरण दस दिन से अधिक समय तक पेंडिंग न रहे।

शिकायत के बाद सरकार ने लिया संज्ञान

नगरीय विकास और आवास विभाग के अपर आयुक्त दिव्यांक सिंह ने निर्देश में कहा है कि शासन के संज्ञान में आया है कि एमआईसी और पीआईसी की बैठक नियमित तौर पर नहीं हो रही हैं। इसके चलते विकास कार्यों पर असर पड़ रहा है। जन कल्याण के कार्य भी समय पर नहीं होने से लोगों को दिक्कत होती है। इसलिए सभी अधिकारी ध्यान देकर एमआईसी और पीआईसी की बैठक नियमानुसार तय समय सीमा में बुलाएं और विकास कार्यों में तेजी लाने के फैसले लें। इसका पालन न करने पर कार्यवाही की जाएगी।

इसलिए जारी किए गए निर्देश

एक माह पहले प्रदेश के नगर निगमों के महापौरों, निगमायुक्तों और नगरपालिका व नगर परिषदों के अध्यक्षों, सीएमओ की मीटिंग नगरीय विकास विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में हुई थी। इस मीटिंग में कहा गया था कि निगम आयुक्त, महापौर, नपा अध्यक्ष और सीएमओ के बीच आपस में तो मीटिंग और डिस्कशन हो जाते हैं, लेकिन एमआईसी और पीआईसी की बैठक नहीं होती। इसके चलते विकास और निर्माण कार्यों में एमआईसी और पीआईसी मेंबर्स की भागीदारी सामने नहीं आ पाती। इस पर मंत्री विजयवर्गीय ने इस मामले को गंभीरता से लेकर निर्देश जारी करने को कहा था जिसके बाद नगरीय विकास और आवास विभाग ने एमआईसी और पीआईसी बैठक तय समय पर करने के लिए निर्देशित किया।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी से मारपीट हुई उसकी ड्यूटी का प्रमाण ही कोर्ट में पेश नहीं कर पाए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 29 अक्टूबर 2007 को पलासिया चौराहे के पास की है। ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी भगवान गुर्जर का मेन रोड पर एक सिटी वैन खड़ी कर रोड जाम करने एवं उसे वहां से हटाने की बात पर विवाद हुआ। विवाद में गाड़ी चालक एवं हेल्पर आरोपी विक्रम यादव निवासी नेहरू नगर एवं अब्दुल रज्जाक निवासी गीता नगर ने उक्त पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की और वर्दी फाड़कर नेमप्लेट तोड़ दी। पलासिया पुलिस ने केस दर्ज किया। विचारण न्यायालय ने आईपीसी की धारा 353, 332 में दोषी पाकर इन्हें तीन माह के साधारण कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई। इस फैसले के विरुद्ध इन्होंने दांडिक अपील दायर की। इसमें कहा गया कि घटना के किसी स्वतंत्र साक्षी का समर्थन नहीं किया। अन्य तथ्य भी विरोधाभासी थे, इसके बावजूद इन्हें दंडित किया गया। अपर सत्र न्यायाधीश डा. शुभ्रा सिंह की कोर्ट ने दांडिक अपील स्वीकार करते हुए विचारण न्यायालय के निर्णय को

अपास्त कर इन्हें दोषमुक्त कर दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन ऐसे कोई दस्तावेज अभिलेख पर प्रस्तुत नहीं कर पाया कि घटना दिनांक एवं समय पर फरियादी लोकसेवक के रूप में कर्तव्य का निर्वहन कर रहा था। ड्यूटी के संबंध में महत्वपूर्ण दस्तावेज उस समय के रोजनामचा सानहा के बारे में कोर्ट को बताया गया कि वह नष्ट हो चुका है। इसके अलावा किसी भी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा भी पुलिसकर्मी भगवान के घटना के समय कर्त्तव्य पर उपस्थित रहने और कर्तव्य के पालन में घटनास्थल पर कार्रवाई करने से संबंधित कोई भी प्रमाण पत्र पेश नहीं किया गया है।

इंदौर-नागपुर वंदे भारत में बड़ा बदलाव 1200 यात्री कर सकेंगे सफर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • रेलवे बोर्ड ने इंदौर-नागपुर-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस की सुविधाओं में बड़ा विस्तार किया है। अब तक यह ट्रेन 8 कोचों के साथ चल रही थी, लेकिन यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए 24 नवंबर से इसे 16 कोचों के विस्तारित रैक के साथ संचालित किया जाएगा। कोच बढ़ने से बैठने की यात्रियों को वहन करने की क्षमता दोगुनी हो जाएगी। इंदौर से भोपाल, इटारसी, बैतूल होकर नागपुर जाने वाली वंदे भारत ट्रेन में पहले 600 सीटें उपलब्ध थीं। कोचों की संख्या दोगुनी करने से सीट क्षमता भी बढ़कर लगभग 1200 सीट हो जाएगी। इस विस्तार से रोजाना करीब 600 अतिरिक्त यात्री आरामदायक और सुगम यात्रा कर सकेंगे। बढ़ी हुई क्षमता खासकर त्योहारों और भीड़भाड़ के समय यात्रियों को बड़ी राहत प्रदान करेगी। इंदौर-भोपाल-नागपुर रूट मध्य भारत का सबसे

व्यस्त और रणनीतिक रेल मार्गों में से एक है। इस रूट पर हजारों विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, बिजनेस ट्रैवलर्स और ट्रेडर्स रोजाना आवाजाही करते हैं। भोपाल और इंदौर दोनों बड़े शिक्षा एवं कारोबारी केंद्र हैं, जबकि नागपुर एक प्रमुख औद्योगिक और लॉजिस्टिक हब है। तीनों शहरों के बीच तेज, आरामदायक और समय पर पहुंचाने वाली ट्रेन की लगातार मांग रहती है। वंदे भारत की सीटें अक्सर फुल रहती हैं और वेटिंग लिस्ट भी बढ़ती है, इसलिए इस रूट पर 16 कोच की वंदे भारत की स्थायी वृद्धि यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहद जरूरी कदम है।

नवनियुक्त युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने अपनी उदारता दिखाते हुए युवा कांग्रेस में नवनिर्वाचित जिले के पदाधिकारियों का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया और उनका हौंसला बढ़ाया। साथ ही श्री पटेल ने आस्वस्त किया कि जब-जब भी आपको मेरी आवश्यकता होगी मैं खड़ा रहूँगा, आप कांग्रेस के विचारों को आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह राठौर, देपालपुर विधानसभा अध्यक्ष शुभम सुनेर, सांवेर विधानसभा अध्यक्ष प्रदीप दरबार, पालिया ब्लाक अध्यक्ष रघुवीर चौहान, जिला महासचिव शुभम चौहान आदि को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस नेता विजय राठौर, बंटी भाई, शेखर पटेल, समाजसेवी मदन परमालिया आदि ने नवनियुक्तों को बधाई दी।

स्वच्छ से स्वस्थ इंदौर की ओर: 'वन इंदौर - रन इंदौर' मैराथन का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देशभर में स्वच्छता में नंबर-1 रहने वाला इंदौर अब स्वास्थ्य और फिटनेस में भी अग्रणी बनने की ओर कदम बढ़ा रहा है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 'यूनाइटेड इंदौर फोरम' की पहल पर 'वन इंदौर - रन इंदौर' मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। यह दौड़ पश्चिमी इंदौर के दशहरा मैदान से शुरू होगी और 23 नवंबर की सुबह 6:30 बजे से तीन श्रेणियों — 3 कि.मी., 5 कि.मी. एवं 7 कि.मी. में आयोजित की जाएगी। बच्चों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग जनों, खेल प्रेमियों, डॉक्टर, वकील, सीए, समाजसेवी तथा जनप्रतिनिधियों सहित सभी आयु वर्ग के लोग इसमें शामिल हो सकेंगे। प्रतिभागियों को रनिंग किट व फिनिशिंग पर मेडल प्रदान किए जाएंगे।

ग्रीन एवं फिट इंदौर का संकल्प

महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व शहर केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रीन एनर्जी, पेड़ारोपण और कार्बन फुटप्रिंट कम करने जैसे अनेक प्रोजेक्ट्स पर भी आगे बढ़ रहा है। अब लक्ष्य शहर को स्वस्थ और फिट इंदौर के रूप में पहचान दिलाना है।

'इंदौर एक है - स्वास्थ्य के लिए एकजुट' : महापौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि शहर में 70 संजीवनी क्लिनिक संचालित हैं, जहाँ प्रतिदिन हजारों लोग निशुल्क उपचार पा रहे हैं। साथ ही 85 वार्डों में 140 स्थानों पर योग सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें हजारों लोग जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा 'स्वच्छ इंदौर, स्वस्थ इंदौर, फिट इंदौर और नशे के खिलाफ इंदौर यही हमारा संकल्प है। यह मैराथन इस एकता और स्वास्थ्य जागरूकता का प्रतीक बनेगी। पूरा शहर एक प्लेटफॉर्म पर एकजुट होकर अपने स्वास्थ्य के लिए दौड़ेगा। ' महापौर ने सभी नागरिकों से परिवार सहित इस मैराथन में भाग लेने और एक स्वस्थ इंदौर बनाने में योगदान देने की अपील की।

पांच सौ से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने 48 मिनिट की सामायिक में की मुमुक्षु के सार्थक सन्यास की प्रार्थना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हैदराबाद - सिकंदराबाद के 21 वर्षीय युवा आर्किटेक्ट कौशिक कुमार खांटेड के सन्यास जीवन की धन्यता और सार्थकता के पवित्र संकल्प के साथ शुक्रवार को सुबह सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने रेसकोर्स रोड स्थित बास्केटबाल स्टेडियम पर साधु-साध्वी-भगवंतों की निश्रा में 48 मिनिट तक अपने संसारी जीवन से दूर रहकर मौन साधना एवं प्रार्थना की। जैनाचार्य प.पू. विजय पद्मभूषणरत्न सूरीश्वर म.सा., आचार्य देव प.पू. विजय जिनसुंदर सूरीश्वर म.सा. एवं आचार्य विजय धर्मबोधि सूरीश्वर म.सा. सहित 50 से अधिक साधु-साध्वी-भगवंत नवकार परिवार की मेजबानी में आयोजित इस अनूठे अनुष्ठान में पावन निश्रा प्रदान करने हेतु विशेष रूप से उपस्थित थे। कड़ाके की शीतलहर के बावजूद सभी आयु वर्ग के करीब 500 साधक इस समूह सामायिक में शामिल हुए।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा बसों में महिलाओं से अश्लीलता के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ट्रेवल्स की बसों में काफी लंबे समय से आये दिन यात्रियों से अभद्र व्यवहार होने की शिकायतें आम सी हो गई है व गत-दिन पूर्व पुन: हंस ट्रेवल्स की बसों में यात्रा कर रही कुछ महिलाओं से अश्लीलता व छेड़-छाड़ उनके स्टॉफ के द्वारा की गई है। जिसका कई समाचार पत्रों व शहर के प्रमुख जनप्रतिनिधि द्वारा भी पुलिस प्रशासन को शिकायत की गई है। परन्तु हमेशा की तरह उक्त हंस ट्रेवल्स के मालिक व स्टॉफ के खिलाफ कोई कड़ी कार्यवाही करे बिना छोड़ दिया जाता है।

जिसके परिणाम स्वरूप यात्रीगण बस माफियाँओं के इस व्यवहार से लगातार शोषित हो रहे है। विगत दिनों हुई घटना से हमारा पूरा शहर शर्मसार है व हम हिन्दू समाज की और से श्रीमान जिलाधीश महोदय, पुलिस प्रशासन व आरटीओ इन्दौर से मांग करते है कि :-उक्त बस ट्रेवल्स में कई जिहादी प्रवृत्ति के ड्रायवरों / कन्डक्टरों की जांच की जाए। इनका अपराधिक रिकार्ड चेक करा जावे व बस मालिकों के द्वारा उनके स्टॉफ की पूर्ण जानकारी जैसे कि, हेवी प्रोफेशनल लायसेंस, चरित्र प्रमाण पत्र, पुलिस वेरिफिकेशन रिपोर्ट लेकर के ही नौकरी पर रखा गया है या नहीं। बस चलाते समय उक्त स्टॉफ के द्वारा किसी प्रकार के नशे का सेवन तो नहीं किया है, इसकी वैधानिक जांच रिपोर्ट बनाकर के ही बस को संचालित किया जाये व रास्ते मे आने वाले टोल पर भी ब्रीथ एनेलाईजर से किसी भी प्रकार के नशे का सेवन न करे होने की पुष्टि होन के बाद ही बस को चलाने की अनुमति दी जाये। बस संचालन रूट की जानकारी, इर्मेजेन्सी नम्बरों की जानकारी, रूट में आने वाले सभी थानों की जानकारी, बस संचालको के नम्बरों की जानकारी व आर.टी.ओ. द्वारा तय किये गये विभिन्न प्रकार के नियमों की जानकारी बस के अंदर व बाहर प्रदर्शित की गई है या नहीं इसकी जांच की जाये।

सम्पादकीय

टीबी खत्म होना था 2025 तक लेकिन बढ़ गए डेढ़ गुना मरीज नीतियों में आखिर चूक कहां?

यह बेहद चिंताजनक है कि जहां देश में लक्ष्य के मुताबिक इस वर्ष तक तपेदिक को खत्म हो जाना चाहिए था, वहीं इसमें और ज्यादा बढ़ोतरी होती देखी जा रही है। ऐसा लगता है कि तपेदिक के उन्मूलन के लिए जो नीतिगत कसौटियां तय की गईं, उसे लागू करने को लेकर या तो लापरवाही बरती गई या फिर वे व्यावहारिक नहीं थीं। गौरतलब है कि सूचना के अधिकार कानून के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के क्षय रोग प्रभाग ने बताया कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 तक तपेदिक यानी टीबी रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन आज हालत यह है कि पिछले पांच वर्ष में इस रोग के मरीजों की संख्या में डेढ़ गुना की खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सन 2020 में जहां देश में टीबी के रोगियों की संख्या अठारह लाख पांच हजार छह सौ सत्तर थी, वहीं 2024 में इस संक्रामक बीमारी का शिकार होने वाले मरीजों की तादाद बढ़ कर छब्बीस लाख सत्रह हजार नौ सौ तेईस हो गई। सवाल है कि टीबी रोग के उन्मूलन के लिए जो नीतियां अपनाई गईं या 'निक्षय पोषण योजना', मुफ्त दवा और इलाज की सुविधाओं जैसे उपाय किए गए, उनमें कहां कमी रह गई कि आज खत्म होने के बजाय तपेदिक के मामलों में डेढ़ गुना तक का इजाफा हो गया। तपेदिक एक संक्रामक रोग है। इसीलिए इसकी जद में आने वाले व्यक्ति के इलाज को लेकर ज्यादा संवेदनशीलता बरती जाती है। समय पर इस रोग की पहचान और उसके इलाज की शुरुआत इसके संक्रमण की आशंकाओं को कम करता है तथा मरीज के पूरी तरह ठीक होने की संभावना बनती है। इसमें जरा भी लापरवाही से न केवल किसी मरीज की स्थिति बिगड़ सकती है, बल्कि अन्य लोगों के बीच इसके फैलने का जोखिम पैदा हो सकता है। विडंबना यह है कि जागरूकता के अभाव में न केवल आम लोग इस रोग के शुरुआती लक्षणों की अनदेखी करते हैं, बल्कि इसके मरीजों के प्रति सामाजिक उपेक्षा की वजह से भी स्थिति बिगड़ती है। जाहिर है, स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ी उपलब्धियों के सरकारी दावे के बरक्स जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियानों के साथ-साथ अन्य ठोस कदम उठाने की जरूरत है, ताकि तपेदिक के उन्मूलन का लक्ष्य वास्तविक रूप में हासिल किया जा सके।

जी-20 शिखर सम्मेलन जोहान्सबर्ग 21-23 नवंबर - वैश्विक शक्ति- संतुलन, अमेरिकी अनुपस्थिति और भारत की नेतृत्वकारी भूमिका का गहन अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का प्रमुख मंच जी-20 इस वर्ष एक ऐसे दौर में बैठक कर रहा है,जब वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पहले से कहीं अधिक जटिल, बहुस्तरीय और अनिश्चितता से घिरा हुआ है। 21 से 23 नवंबर 2025 तक दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित होने वाला यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है,जब जलवायु परिवर्तन,ऊर्जा संक्रमण,वैश्विक मंदी का खतरा, तकनीकी प्रभुत्व की जंग और भू-राजनीतिक अविश्वास जैसे मुद्दे विश्व व्यवस्था को पूर्णत: पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। भारत की ओर से माननीय पीएम की उपस्थिति न सिर्फ औपचारिकता है, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और एक उभरती हुई निर्णायक शक्ति के रूप में उसकी अनिवार्य भूमिका को रेखांकित करती है।अंतरराष्ट्रीय राजनीति के इस संवेदनशील मोड़ पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सम्मेलन का बहिष्कार करना वैश्विक शक्ति संरचना और सामूहिक सहयोग की भावना पर गहरा प्रभाव डालता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वस्तुत: 2025 का यह सम्मेलन केवल जी-20 एजेंडा का नहीं, बल्कि विश्व प्रणाली में हो रहे बड़े परिवर्तन का प्रतीक बन चुका है और इस परिवर्तन के केंद्र में भारत अभूतपूर्व रूप से उभर रहा है। बहरहाल,

जोहानिसबर्ग का यह शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका के लिए कूटनीतिक कसौटी है उसे अमेरिकी अनुपस्थिति की चुनौती के बीच सम्मेलन को सफलता पूर्वक संपन्न करना है। वहीं भारत के लिए यह अवसर है अपने नेतृत्व की निरंतरता दिखाने का। जब ट्रंप वैश्विक सहयोग से दूरी बना रहे हैं, तब मोदी उसी सहयोग को एक नई दिशा देने जा रहे हैं।यही विरोधाभास आज के वैश्विक परिदृश्य का सार भी है। इसलिए जोहानिसबर्ग का सम्मेलन केवल जी-20 का आयोजन नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था के पुनर्संतुलन का प्रतीक है और इस पुनर्संतुलन में भारत की भूमिका न केवल केंद्रीय है,बल्कि प्रेरक भी। साथियों बात अगर हम जी-20 सम्मेलन में अमेरिका की अनुपस्थिति और वैश्विक बहुपक्षवाद की चुनौती को समझने की करें तो, जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन का सबसे विवादास्पद और महत्वपूर्ण पहलू है, अमेरिका का स्पष्ट बहिष्कार। ट्रंप प्रशासन द्वारा दक्षिण अफ्रीका पर लगाए गए आरोपों और 'अमेरिका फर्स्ट' नीति को आगे बढ़ाते हुए इस मंच से दूरी बनाना उस व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें चरणबद्ध ढंग से अमेरिका अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, वैश्विक समूहों और बहुपक्षीय समझौतों से खुद को अलग कर रहा है।ट्रंप की यह नीति केवल कूटनीति नहीं, बल्कि एक विचारधारा है जो वैश्विक सहयोग को अमेरिका के राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध मानती है। इसके

परिणामस्वरूप,जी-20 की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ रहे हैं (1) वैश्विक आर्थिक सहयोग कमजोर हो रहा है (2) वैश्विक दक्षिण के उभार का मार्ग और स्पष्ट हो रहा है (3) अमेरिका की नैतिक और नेतृत्वकारी भूमिका कमजोर पड़ रही है,सबसे गंभीर आरोप यह है कि अमेरिका अन्य सदस्य देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे जी-20 घोषणा- पत्र पर हस्ताक्षर न करें। यदि ऐसा होता है, तो यह जी- 20 की सामूहिकता विश्वास और कूटनीतिक शक्ति को गहराई से कमजोर कर देगा। इससे 2026 में अमेरिका की जी-20 अध्यक्षता भी सवालों के घेरे में आ सकती है, क्योंकि एक नेतृत्वकर्ता की नैतिक स्थिति उसी समय मजबूत होती है जब वह सहयोग की संस्कृति में विश्वास रखता हो। साथियों बात अगर हम 20 वें जी20 सम्मेलन के मेजबान दक्षिण अफ्रीका के सामने कूटनीतिक परीक्षा, नेतृत्व का प्रश्न खड़ा हुआ है इसको समझने की करें तो, दक्षिण अफ्रीका के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती है अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद सम्मेलन को सफल बनाना, और जी-20 के भीतर नेतृत्व की निरंतरता को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाना। परंपरा के अनुसार, सम्मेलन के समापन पर जी- 20 की अध्यक्षता का 'बैटन' अगले मेज़बान देश को सौंपा जाता है।लेकिन जब अमेरिका स्वयं बैठक में मौजूद ही नहीं, तो यह प्रश्न गंभीर है कि: (1) दक्षिण अफ्रीका अमेरिकी प्रतिनिधि को बैटन सौंपे या (2) किसी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत किसी विशेष देश को यह जिम्मेदारी दे, यह स्थिति जी-20 के इतिहास में लगभग अभूतपूर्व है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि वैश्विक शक्ति-संतुलन अब पूर्ववत नहीं रहा, पश्चिमी दुनिया की केंद्रीयता कमजोर हो रही है और वैश्विक दक्षिण की भूमिका निर्णायक बनती जा रही है। दक्षिण अफ्रीका इस सम्मेलन के माध्यम से दुनियाँ को यह संदेश देना चाहता है कि एक विकसित न होने वाला देश भी वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक विमर्शों को नेतृत्व दे सकता है।अमेरिकी दबाव, राजनीतिक ध्रुवीकरण और आंतरिक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद इस सम्मेलन को सफल बनाना उसके लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि होगी।

साथियों बात अगर हम भारत के लिए यह अवसर वैश्विक नेतृत्व का स्वर्णिम क्षण होगा इसको समझने की करें तो, अमेरिका की अनुपस्थिति ने भारत के लिए एक अप्रत्याशित लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर तैयार कर दिया है।भारत पहले ही 2023 में जी- 20 की मेजबानी करके अपनी कूटनीतिक क्षमता, संवाद कौशल और वैश्विक नेतृत्व की शक्ति का प्रदर्शन कर चुका है। 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का मंत्र दुनिया में नई सोच और नए सहयोग का आधार बन चुका है।2025 के जोहान्सबर्ग सम्मेलन में भारत इन कारणों से केंद्रीय भूमिका निभा सकता है (1) वैश्विक दक्षिण का स्वाभाविक नेता (2) अमेरिका और वैश्विक दक्षिण के बीच पुल का कार्य (3) वैश्विक ऊर्जा और तकनीकी बहसों में निर्णायक आवाज (4) जलवायु न्याय और विकासशील देशों की मांगों को मंच प्रदान करना (5) वैश्विक व्यापार में स्थिरता का प्रस्ताव,भारत का नेतृत्व आज इसलिए भी विशिष्ट है क्योंकि वह शक्ति संतुलन की राजनीति नहीं, बल्कि सहयोग और समावेशन की राजनीति को प्राथमिकता देता है।जब ट्रंप वैश्विक संस्थाओं से दूरी बना रहे हैं, तब भारत का आगे आना दुनिया को एक नए नेतृत्व मॉडल से परिचित कराता है,जहां शक्ति संवाद से आती है, न कि वर्चस्व से।

साथियों बात अगर हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य नई विश्व व्यवस्था का पुनर्संतुलन इसको समझने की करें तो,आज का वैश्विक परिदृश्य ऐसे मोड़ पर है,जहां (1) अमेरिका और यूरोप के भीतर राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ा है (2) रूस- यूक्रेन युद्ध अंतरराष्ट्रीय प्रणाली को कमजोर कर रहा है (3) चीन और अमेरिका की प्रतिद्वंद्विता वैश्विक अर्थव्यवस्था को दो ध्रुवों में विभाजित कर रही है (4) जलवायु संकट दुनिया को नई आपदाओं की ओर धकेल रहा है (5) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नई भू-आर्थिक लड़ाई का केंद्र बन चुका है,ऐसे में जी-20 की भूमिका केवल आर्थिक मंच तक सीमित नहीं रही।यह आज वैश्विक प्रशासन का वैकल्पिक ढांचा बन चुका है।और ठीक इसी समय भारत की उपस्थिति, जिम्मेदारी और दृष्टिकोण वैश्विक स्थिरता के लिए अनिवार्य है।जोहान्सबर्ग का सम्मेलन वास्तव में 'विश्वव्यवस्था का पुनर्संतुलन' है।ऐसा पुनर्संतुलन जिसमें,अमेरिका केंद्र में नहीं,बहुध्रुवीय नेतृत्व उभर रहा है,एशिया-अफ्रीका-लैटिन अमेरिका की आवाज़ मजबूत हो रही हैवैश्विक गणना में भारत की भूमिका सर्वाधिक प्रभावी है

साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम का एजेंडा, तीन सत्रों क़े भारत-केन्द्रित दृष्टिकोण को समझने की करें तो भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि पीएम जोहान्सबर्ग में तीनों प्रमुख सत्रों को संबोधित करेंगे, जिनके विषय न सिर्फ वैश्विक चिंताओं से जुड़े हैं बल्कि भारत की नीतिगत प्राथमिकताओं का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। (अ) समावेशी और सतत आर्थिक वृद्धि-भारत लंबे समय से यह कहता रहा है कि विकास तभी सार्थक है जब वह, समावेशी हो,सतत हो,गरीब देशों के लिए न्यायपूर्ण हो,डिजिटल तकनीक का दुरुपयोग न हो।दुनियाँ आज यही सुनना चाहती है कि अगली सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था कैसी होगी और उसमें भारत जैसे देशों का क्या योगदान होगा। (ब) आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन-जलवायु परिवर्तन अब 'भविष्य का संकट' नहीं, बल्कि वर्तमान की आपदा है।भारत ने क्लाइमेट जस्टिस और लाइफ लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट के माध्यम से एक वास्तविक समाधान दिया है।यह मॉडल विकसित देशों की अत्यधिक खपत आधारित आर्थिक प्रणाली को चुनौती देता है। (क़) न्यायपूर्ण और संतुलित भविष्य-यह वह विषय है जो वैश्विक दक्षिण की दशकों पुरानी मांग का सार है,दुनियाँ में न्यायपूर्ण संसाधन वितरण, डिजिटल समानता, तकनीकी लोकतंत्रीकरण और वैश्विक संस्थाओं में न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व। भारतीय पीएम का एजेंडा जी-20 के भविष्य को न केवल नई संरचना देता है बल्कि यह भी बताता है कि 21वीं सदी की वैश्विक सोच भारत से होकर गुजरे बिना अधूरी है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जोहान्सबर्ग 2025,विश्व नेतृत्व की नई परिभाषा-जोहान्सबर्ग जी-20 शिखर सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि दुनिया के बदलते चेहरे का प्रतीक है।अमेरिका की अनुपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक नेतृत्व अब किसी एक महाशक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि कई उभरती शक्तियों के बीच साझा हो रहा है।दक्षिण अफ्रीका के सामने यह अवसर है कि वह वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को मजबूती दे और अपनी कूटनीतिक परिपक्वता दिखाए।भारत के लिए यह सम्मेलन एक ऐसी जिम्मेदारी है, जो उसे वैश्विक राजनीति के केंद्र में खड़ा करती है।ट्रंप जब वैश्विक सहयोग से दूरी बना रहे हैं, तब मोदी वैश्विक सहयोग को नए स्वरूप में आकार दे रहे हैं।यही विरोधाभास आज की विश्व व्यवस्था का सबसे बड़ा सत्य है।जोहान्सबर्ग 2025 एक निर्णायक क्षण है,जहां नया नेतृत्व उभर रहा है,नई विश्व व्यवस्था आकार ले रही है,और भारत विश्व राजनीति के केंद्र में अपनी जगह सुनिश्चित कर रहा है।

लेखक - **एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी** गोंदिया, महाराष्ट्र

आंचलिक

दोगांवा पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित, एसडीएम ने जारी किए आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●जिले में कसरावद-पीपलगोन-बेडिया मार्ग पर भारी और व्यवसायिक वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई है। अपर जिला दंडाधिकारी (एडीएम) रेखा राठौर ने जन सुरक्षा को देखते हुए यह आदेश तत्काल प्रभाव से जारी किया है। यह निर्णय दोगांवा पुल की जर्जर हालत और हाल ही में हुए एक हादसे के बाद लिया गया है। दो दिन पहले इसी पुल के अप्रोच से राखड़ से भरा एक बलकर (डंपर) लगभग 20 फीट नीचे गिर गया था। इस दुर्घटना में 38 वर्षीय ड्राइवर की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। यह बलकर एनटीपीसी से सेल्दा तक राखड़ ले जा रहा था। एडीएम ने यह प्रतिबंधात्मक आदेश लोक निर्माण विभाग (सेतु निर्माण) संभाग इंदौर के कार्यपालन यंत्री की रिपोर्ट के आधार पर जारी किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वेदा नदी पर स्थित पुराने क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर नया पुल बनाया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान हल्के वाहनों के लिए पुल की सतह को अस्थायी रूप से डामरीकृत कर मरम्मत की गई थी। पुल की अत्यधिक जर्जर और क्षतिग्रस्त स्थिति के कारण भारी वाहनों की आवाजाही से दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। इस स्थिति को देखते हुए, कसरावद-पीपलगोन-बेडिया मार्ग पर भारी और व्यवसायिक वाहनों की आवाजाही अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगी।

निमरानी चोरी कांड का खुलासा, बड़वानी के दो आरोपी गिरफ्तार, 15 लाख का माल बरामद

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● निमरानी में एक कारोबारी के घर हुई 17 लाख रुपए की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में बड़वानी जिले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 9 लाख 70 हजार रुपए नकद और सोने के आभूषण सहित कुल 15 लाख रुपए का चोरी का माल जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक रवींद्र वर्मा ने शुक्रवार दोपहर इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन थानों की पुलिस टीम गठित की गई थी। टीम ने क्षेत्र और सभी संभावित रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिरों को सक्रिय किया और संदिग्धों की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान संजय उर्फ संजू पिता मुन्ना निवासी कुकड़ाबेड़ा, ओझर, जिला बड़वानी की संलिप्तता सामने आई। उसे हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपने साथी राजेश शिवलाल नागर, निवासी राजपुर के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल की। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई नकदी और आभूषण जब्त किए गए।

हेलीकॉप्टर सेवा से ओंकारेश्वर पहुंचे 5 श्रद्धालु, 40 मिनट में पहुंच सकेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर प्रदेश सरकार ने एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा शुरू की हैं। शुक्रवार को तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में इस सेवा का शुभारंभ हुआ। यहां हेलीकॉप्टर से 5 श्रद्धालु इंदौर और उज्जैन से सवार को ओंकारेश्वर पहुंचे। इन श्रद्धालुओं का हेलीपैड पर स्वागत किया गया। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने यात्रियों का स्वागत करने के बाद कहा कि आज का खंडवा जिले और ओंकारेश्वर के नागरिकों के लिए गौरव का दिन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में उल्लेखनीय विकास कार्य हुए हैं। देश के 12 ज्योतिर्लिंगों को टूरिस्ट सर्किट और हवाई यात्रा सुविधा से जोड़ा गया है। इधर, विधायक नारायण पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर समुदाय और हर वर्ग

के लिए विकास योजनाएं प्रारंभ की हैं। सड़क मार्ग और रेल मार्ग के बाद अब हवाई मार्ग से भी ओंकारेश्वर जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर में हवाई मार्ग से आने वाले यात्रियों की संख्या को देखते हुए भविष्य में हेलीकॉप्टर सेवा के राउंड बढ़ाए जाएंगे ताकि और अधिक यात्री इस सुविधा का लाभ ले सकें। स्वागत के लिए खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, मांधाता विधायक नारायण पटेल ने हेलीकॉप्टर से आने वाले सभी तीर्थयात्रियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौड़ा, पुनासा एसडीएम पंकज वर्मा, सीएमओ व सहायक कलेक्टर डॉ. कृष्णा सुशीर, नगर परिषद अध्यक्ष मनीषा परिहार, जनपद अध्यक्ष राव पुष्पेंद्रसिंह, भाजपा उपाध्यक्ष श्यामसिंह मौर्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बुरहानपुर में बनेगी हवाई पट्टी, कलेक्टर ने अफसरों संग स्थल का दौरा किया

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● शहर से सटे ग्राम खड़कोद में हवाई पट्टी का निर्माण किया जाएगा। लगभग 50 हेक्टेयर क्षेत्र में बनने वाली इस एयर स्ट्रिप के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। शुक्रवार दोपहर बुरहानपुर कलेक्टर हर्ष सिंह ने लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का दौरा किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर हर्ष सिंह ने अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ भूमि संबंधी मैपिंग का अवलोकन किया। उन्होंने टीम के साथ भूमि की सीमाओं, उपलब्ध क्षेत्रफल और उसके उपयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि हवाई पट्टी क्षेत्र के आसपास की भूमि का उचित उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से इस कार्य में पारदर्शिता और सटीकता बनाए रखने को कहा। कलेक्टर ने बेहतर प्रबंधन और योजनाबद्ध तरीके से आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सृजन वर्मा, अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान, पीडब्ल्यूडी अधिकारी पदमा रेखा श्रीवास्तव, जनपद पंचायत सीईओ दुर्गेश भूमरकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी और इंजीनियर मौजूद रहे।

एसआईआर में लापरवाही, नगर परिषद के दो कर्मचारी टर्मिनेट

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही बरतने पर दो कर्मचारियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया गया हैं। कलेक्टर के निर्देश पर पुनासा एसडीएम ने नगर परिषद मूंदी में पदस्थ दोनों कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया हैं। दोनों कम्प्यूटर ऑपरेटर थे, जिनकी ड्यूटी एसआईआर सर्वे को लेकर बनाए गए कंट्रोल रूम पर लगाई गई थी। मामला नगर परिषद मूंदी का हैं। यहां पदस्थ दैनिक वेतन भोगी देवेंद्र राठौर और शैलेंद्र राठौर को बर्खास्त करने की कार्रवाई की गई हैं। दरअसल, पुनासा कंट्रोल रूम पर निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ऋषव गुप्ता के संज्ञान में आया कि यहां जिन दो ऑपरेटर की ड्यूटी लगाई थी, वे लगातार लापरवाही बरत रहे हैं। दोनों को कई बार नोटिस भी जारी किए जा चुके है। जिनका जवाब तक उनके द्वारा नहीं दिया गया। ना ही कार्य में कोई सुधार हुआ हैं। पुनासा एसडीएम पंकज वर्मा ने बताया कि, नगर परिषद मूंदी के दैनिक वेतन भोगी शैलेंद्र राठौर और देवेंद्र राठौर के द्वारा लगातार कार्य में लापरवाही बरती गई। जबकि एसआईआर का कार्य भारत निर्वाचन आयोग का है, जिसकी सख्ती से मॉनिटरिंग होती हैं। जब डेटा देखा गया तो स्थिति चिंताजनक थी। दोनों कर्मचारियों को नोटिस भी तामिल कराए थे। कोई सुधार ना होने पर उन्हें नौकरी से निकाले जाने यानी बर्खास्तगी की कार्रवाई की गई हैं।

नगर परिषद सीएमओ बचाव में आए

मूंदी नगर परिषद के सीएमओ संजय जैन दोनों कर्मचारियों के बचाव में उतर आए। उनका कहना है कि, दोनों कर्मचारी ड्यूटी से जल्दी घर आ जाते थे। कंट्रोल रूम से लेट नाइट छुट्टी दी जाती थी। इस कारण रास्ते में भारी वाहन, खासकर बलकरों से हादसे का डर रहता था।

दो नए नगर वन बनने की तैयारी, शासन ने 2 करोड़ी की राशि की स्वीकृत

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से दो नगर वनों की स्थापना को मंजूरी मिल गई है। इन परियोजनाओं के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गुरुवार शाम विधायक अर्चना चिटनिस, जिला वन मंडलाधिकारी विद्याभूषण सिंह, नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव, एसडीओ अजय सागर और अन्य जनप्रतिनिधियों ने दोनों प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया। पहला नगर वन चिंचाला क्षेत्र में मुक्तिधाम के पीछे 4.5 हेक्टेयर भूमि पर विकसित किया जाएगा। यह एक स्मृति-आधारित नगर वन होगा, जिसमें लोग अपने पूर्वजों की याद में पौधे लगा सकेंगे। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी मजबूत करेगी। इस भूमि का चयन नगर निगम ने किया था और वन विभाग के माध्यम से भेजे गए प्रस्ताव को शासन ने मंजूरी दे दी है। दूसरा नगर वन लालबाग क्षेत्र के पास भगवती माता मंदिर

परिसर के आसपास करीब 50 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इसे 'मां भगवती वन' नाम दिया गया है। यह बड़ा वन क्षेत्र शहर की हरियाली बढ़ाने के साथ इको-टूरिज्म और पर्यावरण शिक्षा केंद्र के रूप में भी विकसित होने की क्षमता रखता है। विधायक अर्चना चिटनिस ने बताया कि मां भगवती पहाड़ी के पास राजस्व विभाग की 20 हेक्टेयर और वन विभाग की 40 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध है, जो इस परियोजना के लिए उपयुक्त मानी गई है। दोनों नगर वनों के विकसित होने से शहर का पर्यावरण बेहतर होगा और नागरिकों को हरियाली से भरपूर नए प्राकृतिक स्थल मिलेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच आज से

गुवाहाटी (एजेंसी) ●कोलकाता में चौंकाने वाली हार के बाद इंडिया दो मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे है। दूसरी तरफ, दक्षिण अफ्रीका कॉन्फिडेंट स्वैगर के साथ उतरेगी, जो जानती है कि वह इतिहास रच सकती है। भारतीय जमीन पर 2-0 की जीत उनके हाथ में है। टॉस, हमेशा की तरह, सब कुछ हो सकता है। इस नई विकेट पर पहले बैट्समैन करना ज्यादा सेफ ऑप्शन लगता है। पिच से शुरू से ही इनकंसिस्टेंट बाउंस और काफी टर्न मिलने की उम्मीद है। यह विकेट तेजी से खराब होगा। आखिर में बैट्समैन करना एक बुरा सपना होगा। पहली इन्निंग्स में 250 रन बनाने वाली कोई भी टीम कमांड्समैन पोजिशन में होगी। टॉस और इन्निंग्स की टाइम्समग का बहुत बड़ा रोल होगा। इंडिया कोलकाता जैसी एक और हार नहीं झेल सकता; नहीं तो, दक्षिण अफ्रीका का स्वीप एक असली पॉसिबिलिटी बन जाएगा। इसके उलट, एक सधी हुई, सब्र वाली शुरुआत और स्मार्ट पार्टनरशिप इंडिया के लिए एक क्लासिक कमबैक स्टोरी बना सकती हैं। इंडिया को कंट्रोल्ड अग्रेसन और कंपोजर के साथ जवाब देना होगा, जबकि साउथ अफ्रीका कोलकाता में शुरू किया गया लगातार प्रेशर बनाए रखने की कोशिश करेगा। भारत को शुरू में ही कंट्रोल करना होगा, सब्र से बैट्समैन करनी होगी और स्पिनरों को बोलने देना होगा। दक्षिण अफ्रीका, अपने बैलेंस और कॉन्फिडेंस के साथ, किसी भी कमी का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। गुवाहाटी में पांच दिन का टेंशन भरा, दिलचस्प और अनप्रेडिक्टेबल टेस्ट क्रिकेट होने वाला है, ऐसा टेस्ट क्रिकेट जो बैट और बॉल दोनों के लिए बहुत मुश्किल होता है। गुवाहाटी। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल गुवाहाटी में शनिवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई द्वारा जारी बयान के अनुसार गिल अपनी गर्दन की ऐंठन की जांच के लिए मुंबई चल गए हैं। यह स्थिति दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ 30 नवंबर से शुरू होने वाले तीन वनडे मैचों में उनकी चयन संभावना पर भी असर डाल सकती है।

जयदीप ने सीरीज में अपने किरदार के बारे में किया खुलासा

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता जयदीप अहलावत ने लोकप्रिय सीरीज द फैमिली मैन में अपने सफर को लेकर खुलकर बात की, साथ ही अपने किरदार रुक्मा के बारे में बताया। जयदीप अहलावत ने बताया, इस प्रोजेक्ट से जुड़ना एक फोन कॉल के साथ शुरू हुआ। एक दिन अचानक डीके का फोन आया और उन्होंने कहा कि वे तीसरे सीजन को पिछले दोनों सीजन से बड़ा, दमदार और अलग बनाना चाहते हैं। इसी बातचीत के दौरान उन्होंने मेरे साथ कहानी का बेसिक स्ट्रक्चर भी साझा किया, जिसे सुनकर मैं तुरंत इस दुनिया की ओर खिंचता चला गया। मुझे लगा कि यह कहानी नई होने के साथ-साथ मुझे एक ऐसा किरदार निभाने का मौका देगी, जो अब तक मैंने नहीं किया है। कहानी क ी शुरुआती झलक सुनते ही जयदीप ने इसमें काम करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, राज और डीके जैसी प्रतिभाशाली क्रिएटर जोड़ी और मनोज बाजपेयी जैसा कलाकार सामने हो, तो किसी भी एक्टर के लिए हां कहना बेहद आसान हो जाता है। द फैमिली मैन जैसे सफल शो का हिस्सा बनना अपने-आप में एक बड़ी बात है और इस मौके को पकड़ने में मैंने जरा भी देर नहीं की। अपने किरदार रुक्मा को लेकर जयदीप ने कहा, जब मैंने किरदार पढ़ना शुरू किया, तो मुझे अंदाजा भी नहीं था कि यह किरदार किस दिशा में जाएगा।

स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बांए हाथ के पहले गेंदबाज बने

पर्थ (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हुई एशेज टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में सात विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के पहले गेंदबाज बन गये हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अपने शुरुआती स्पेल में ही स्टार्क ने घातक गेंदबाजी करते हुए ज़ैक क्रॉली, बेन डकेट और जो रूट को पेवेलियन भेज दिया। स्टाक ने क्रॉली को शून्य पर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डकेट का भी विकेट लिया। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज रूट भी उनसे बच नहीं पाये और अपना खाता भी नहीं खोल सके। रुट स्टार्क की गेंद पर मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच हुए। इसी के साथ ही स्टार्क ने एशेज में अपना 100वां विकेट लिया। वह ऐसा करने वाले 21वें गेंदबाज रहे हैं। पहले सत्र में ही स्टार्क ने 8 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट ले लिए। उनका 45.03 का स्ट्राइक रेट उन्हें सबसे बेहतर गेंदबाज़ बनाता है। साल 2013 में एशेज में डेब्यू के बाद से ही स्टार्क ने 23 टेस्ट में 26.77 के औसत से विकेट लिए हैं। एशेज में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दिग्गज स्पिनर शेन वार्न पहले नंबर पर हैं। वॉर्न के नाम 195 विकेट हैं। वहीं ग्लेन मैक्ग्रा के 157 वह स्टुअर्ट ब्रॉड के 153 विकेट हैं। एशेज में 100 विकेट लेने वाले वह ऑस्ट्रेलिया के 13वें गेंदबाज बने हैं।

हेजलवुड ने बताया तीनों प्रारुपों में खेलने का तरीका

सिडनी (एजेंसी) ● आजकल जहां अधिक क्रिकेट होने के कारण कहा जा रहा है कि तीनों ही प्रारुपों में खेलना मानसिक और शारीरिक रुप से खिलाड़ियों को थका रहा है। वहीं अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि सही योजना और रणनीति बनाकर खेला जाये तो तीनों ही प्रारुपों से समन्वय बनाया जा रहा है। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज़ों में से एक हैं और पैट कमिंस के साथ लगातार सभी फॉर्मेट खेले हैं पर इस बार फिट नहीं होने के कारण वह एशेज सीरीज के पहले टेस्ट से बाहर हैं।

हेजलवुड ने कहा, मुझे लगता है कि सभी फॉर्मेट में खेलना काफी हद तक संभव है। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट अब बेहतर हो रहा है। इसमें लगातार नहीं खेलना पड़ रहा है। इसमें पांच मैचों की सीरीज में किसी खिलाड़ी को तीन मैच खेलने का विकल्प मिलता है। वहीं मैचों के बीच में घर जाकर खिलाड़ी तरोताजा हो जाता है। एक उन्होंने कहा, ...बस, एक हफ़्ते के लिए घर जाओ और उस समय का ज्यादा से ज्यादा आराम के लिए इस्तेमाल करो और तरोताजा होकर खेलना शुरु करें। हेजलवुड और कमिंस चोटों की वजह से पर्थ में पहला एशेज टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। तेज गेंदबाज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की एक बहुत साफ पॉलिसी है, जो खिलाड़ियों को अपने गेम चुनने की आजादी देती है।

इंडस्ट्री सिर्फ बड़ी फिल्मों के दम पर नहीं चल सकती : हुमा

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने फिल्म इंडस्ट्री में अभिव्यक्ति और प्रयोग की स्वतंत्रता को जरूरी बताया। हुमा ने स्पष्ट कहा कि इंडस्ट्री सिर्फ बड़ी या ब्लॉकबस्टर फिल्मों के दम पर नहीं चल सकती। छोटी और मध्यम बजट की फिल्मों के साथ-साथ इंडिपेंडेंट फिल्मों की भी उतनी ही अहमियत होती है, क्योंकि ये दर्शकों को नई कहानियों और नए दृष्टिकोण से रूबरू कराती हैं। उनका मानना है कि एक मजबूत फिल्म इंडस्ट्री वही होती है, जहां हर तरह की फिल्मों को बनाने और देखने की आजादी हो। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री को विविधता और प्रयोग की जरूरत है, ताकि दर्शक अलग-अलग तरह की कहानियों और शैलियों का अनुभव कर सकें। इसी से फिल्म जगत जीवंत और मजबूत बनता है। हुमा के अनुसार, 'हमें दर्शकों की पसंद को समझकर फिल्में बनानी चाहिए। बड़ी फिल्में भी जरूरी हैं, लेकिन छोटी और इंडिपेंडेंट फिल्मों को भी बराबरी का मौका मिलना चाहिए। जब हर तरह की फिल्मों को बनाने की आजादी होगी, तभी इंडस्ट्री आगे बढ़ेगी।'

उज्जैन संभाग

एसपी अचानक पहुंचे नीलगंगा थाने, अनुपस्थित पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●पुलिस की कार्यप्रणाली सुधारने और अनुशासन बनाए रखने के लिए एसपी प्रदीप शर्मा ने शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे नीलगंगा थाने पर अचानक निरीक्षण किया। बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंचे एसपी थाने के बाहर रखी कुर्सी पर बैठ गए और वहीं पुलिसकर्मियों की उपस्थिति व कार्य स्थिति की जानकारी लेना शुरू कर दी। निरीक्षण के दौरान पता चला कि थाने में पदस्थ कई अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित हैं। इस पर एसपी ने तत्काल दंडात्मक कार्रवाई करते हुए सभी अनुपस्थित पुलिसकर्मियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। वहीं थाने में सफाई पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सफाई रखने के निर्देश दिए। करीब आधे घंटे तक एसपी थाने में रहे और रिकॉर्ड कक्ष, मालखाना व सीसीटीवी संचालन कक्ष का निरीक्षण किया। जांच के दौरान उन्होंने थाना डायरी, अपराध पुस्तिका, लंबित प्रकरणों की प्रगति, स्टाफ की उपस्थिति व अनुशासन और बीट व्यवस्था का विस्तृत अवलोकन किया।

थाने की स्वच्छता पर नाराजगी

निरीक्षण के दौरान एसपी थाने की सफाई व्यवस्था से असंतुष्ट दिखाई दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि थाने की स्वच्छता और रखरखाव में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। एसपी प्रदीप शर्मा ने थाने के समस्त स्टाफ को चेतावनी देते हुए कहा कि अनुशासन और उपस्थिति पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों की प्रगति तेज की जाए और थाने की व्यवस्थाओं को पूर्ण रूप से दुरुस्त रखा जाए। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए इन पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं।

सिंगर जुबिन नौटियाल उज्जैन पहुंचे, महाकाल के किए दर्शन भस्म आरती में भी शामिल हुए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल शुक्रवार को भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल होने पहुंचे। जुबिन ने नंदी हॉल से भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। इस दौरान वे शिव भक्ति में लीन नजर आए। तड़के करीब चार बजे जुबिन नौटियाल महाकाल मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने नंदी हॉल में बैठकर भगवान महाकाल की आरती देखी। इस दौरान वे आरती में मंत्रमुग्ध दिखाई दिए। आरती के पश्चात जुबिन ने देहरी से भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और अपने होने वाले टूर के लिए भगवान महाकाल से प्रार्थना की।

जुबिन महाकाल के बड़े भक्त हैं। करीब दो वर्ष पहले भी वे महाकाल मंदिर में होने वाली भस्म आरती में शामिल हुए थे। उस दौरान उन्होंने भजन भी सुनाया था। दर्शन के बाद महाकाल मंदिर समिति के सहायक प्रशासक आशीष पलवाडिया ने जुबिन को दुपट्टा भेंट कर सम्मानित किया।

दर्शन के बाद जुबिन नौटियाल ने मंदिर की दर्शन व्यवस्था की तारीफ करते हुए कहा कि वे चौथी बार महाकाल दर्शन के लिए पहुंचे हैं। भगवान महाकाल के प्रति श्रद्धा देखकर वे अभिभूत हो जाते हैं।

जुबिन नौटियाल दिसंबर से इंडिया टूर पर निकलने वाले हैं। शोज की सफलता के लिए जुबिन अपने आराध्य बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लेने उज्जैन पहुंचे। जुबिन महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन के बाद मल्टी-सिटी इंडिया टूर की शुरुआत करेंगे। इसके लिए वे गुरुवार रात इंदौर पहुंच गए थे। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे वे भोपाल पहुंचेंगे।

क्यूआर में होगी ऑटो चालक की कुंडली, जीआरपी का नवाचार

कोड स्कैन करने पर पता चलेगा ऑटो चालक का आपराधिक रिकॉर्ड तो नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●श्री महाकाल के दर्शन के लिए देशभर से उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे पुलिस (जीआरपी) नई पहल कर रही है। जीआरपी ने 350 ऑटो चालकों की कुंडली तैयार की है, जो क्यूआर कोड के माध्यम से यात्रियों के हाथ में होगी। वे यह भी जान सकेंगे कि जिस ऑटो में वे बैठे हैं, उसका चालक आपराधिक प्रवृत्ति का है या नहीं। जीआरपी क्यूआर कोड ऑटो पर चस्पा करने जा रही है। यात्री अपने मोबाइल से इस कोड को स्कैन कर ऑटो चालक की पूरी जानकारी देख सकेंगे। रेलवे के एसपी पद्म विलोचन शुक्ल शुक्रवार को उज्जैन पहुंचे। उन्होंने जीआरपी थाने पर नवाचार करने के लिए सभी ऑटो चालक को बुलाया।

क्यूआर कोड लगवाना सभी के लिए अनिवार्य नहीं

एसपी ने ऑटो चालकों से कहा कि सभी ऑटो चालकों को क्यूआर कोड लगवाना अनिवार्य नहीं है। जिसकी मर्जी होगी उसके ऑटो पर क्यूआर कोड लगाया जाएगा। एसपी शुक्ल ने बताया कि शासकीय रेलवे पुलिस द्वारा 'हमारी सवारी भरोसे वाली' टैग के साथ वाहन चालकों को सत्यापित वाहन चालक का क्यूआर कोड मिलेगा। इस क्यूआर कोड में ऑटो चालक का नाम पता मोबाइल नंबर, कोई केस तो दर्ज नहीं, साथ ही ऑटो का रजिस्ट्रेशन नंबर का भी पता चल सकेगा।

रोज आते हैं एक लाख श्रद्धालु

बाबा महाकाल के दर्शन के लिए रोज एक लाख श्रद्धालु उज्जैन आते हैं। इनमें से 30 प्रतिशत बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन उतरकर महाकाल एवं अन्य मंदिरों तक पहुंचते हैं। वे रेलवे स्टेशन से मंदिर या अन्य स्थान पर सुरक्षित माहौल में यात्रा कर सकेंगे।

दिसंबर के पहले हफ्ते से शुरूआत

ऑटो में क्यूआर कोड लगाने की शुरूआत दिसंबर के पहले हफ्ते से हो सकती है। एसपी ने बताया कि यात्री अपनी यात्रा पूर्ण होने के बाद इसी क्यूआर कोड से फीडबैक भी दे सकेंगे। वहीं क्यूआर कोड लगाने वाले ऑटो चालकों में से बेस्ट को सम्मानित भी किया जाएगा।

गुदरावन नेत्र शिविर:140 लोगों की जांच हुई 32 लोगों का होगा मोतियाबिंद का ऑपरेशन

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ●आगर मालवा के नलखेड़ा तहसील के ग्राम गुदरावन स्थित पाटीदार धर्मशाला में आनंदपुर सेवा संस्थान और सरदार पटेल युवा संगठन ने संयुक्त रूप से सोलहवां नेत्र शिविर आयोजित किया। यह शिविर स्वर्गीय जय नारायण पाटीदार और महेश पाटीदार की स्मृति में संपन्न हुआ। शिविर में कुल 140 लोगों की आँखों की जांच की गई। इनमें से 32 मरीजों को मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन के लिए आनंदपुर ले जाने हेतु चयनित किया गया। इन मरीजों को संस्थान की बस द्वारा आनंदपुर रवाना किया गया, जहाँ उनके निशुल्क ऑपरेशन के साथ ठहरने, खाने, आने-जाने, चश्मे, दवाइयाँ और लेंस की व्यवस्था की जाएगी। शिविर में 31 लोगों को दृष्टिदोष सुधार के लिए चश्मे भी वितरित किए गए।

संयोजक जय नारायण चौधरी ने बताया कि ऑपरेशन के बाद सभी मरीजों को रविवार दोपहर 1:30 बजे गुदरावन वापस लाया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अगला 17वां मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आगामी 19 दिसंबर 2025, शुक्रवार को आयोजित होगा। चौधरी ने क्षेत्रवासियों से इस सेवा कार्य का लाभ उठाने और जरूरतमंदों को सहयोग करने की अपील की।

न्यूज ब्रीफ

आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाँच अपराधियों को किया जिलाबदर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने इंदौर जिला अन्तर्गत ग्रामीण थाना क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाँच अपराधियों को 06 माह के लिये जिलाबदर कर दिया है। जिन अपराधियों को जिलाबदर किया गया है उनमें अनिल पिता अर्जुन बारिया, निवासी ग्राम आडा पहाड जिला इंदौर, एहमद उर्फ अहमद पिता मजीद दरबारी निवासी पत्ती बाजार महू, इमरान पिता अनवर खटखट निवासी बंडा बस्ती महू, संजू उर्फ संजय पिता लीलाधर पवार निवासी ग्राम बाबल्या खेड़ी जिला इंदौर और लक्की उर्फ कल्ली पिता लेखराज वर्मा निवासी संजय गांधी कालोनी महू शामिल हैं।

निर्वाचन कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर कार्यपालन यंत्री को शोकाज नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य तेजी से जारी है। निर्वाचन कर्तव्यों में लापरवाही बरतने एवं आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के कार्यभारित कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग संधारण खण्ड क्रमांक 2 मूसाखेड़ी लक्ष्मण पाल को सहायक बीएलओ नियुक्त किया गया था। किंतु आदेश प्राप्ति उपरांत ये उपस्थित नहीं हुए। इस संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इंदौर-5 द्वारा इन्हें शासकीय दायित्व का सुचारू रूप से निर्वहन करने के संबंध में चेतावनी पत्र प्रेषित किया गया। चेतावनी पत्र की अवहेलना करते हुए इनके द्वारा आज दिनांक तक उपस्थिति प्रतिवेदित नहीं की गई, जिससे एसआईआर के कार्य में अनावश्यक विलंब की स्थिति निर्मित हुई।

परिसीमन के बाद खुल सकते हैं चिंटू, श्रवण, राजेंद्र के भाग्य

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

देश की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी जमीनी कार्यकर्ता को मौका देने में कोई कसर नहीं छोड़ती बीजेपी में कहा जाता है। की कभी-कभी कार्यकर्ताओं को घर बैठे टिकट मिल जाता है। वैसे तो अभी चुनाव में 3 साल के लगभग बाकी है लेकिन 2026 में परिसीमन होना है। सूत्रों के अनुसार लगभग इंदौर जिले में तीन विधानसभा नई बनने वाली है। कहां जा रहा है लोकसभा और महापौर भी इंदौर में दो हो सकती है इसी को लेकर जिले के बड़े नेताओं की नजर 2026 के परिसीमन पर टिकी हुई है। परिसीमन के बाद चिंटू श्रवण राजेंद्र के भाग्य पर आम जनता की नजर हैं।

जिसमें भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा की किस्मत के द्वारा खुल सकते हैं चिंटू युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रहे हैं जिला महामंत्री बने उसके बाद भाजपा ने उन्हें भारतीय जनता पार्टी का जिला अध्यक्ष बनाया उनके जिला अध्यक्ष रहते हैं सदस्यता अभियान में जिले में सबसे ज्यादा सदस्य चिंटू वर्मा ने जोड़े थे हमेशा पार्टी में सक्रिय रहे हैं। धर्म धार्मिक आयोजन करवाते रहते हैं कैलाश विजयवर्गी चिंटू को अपने बेटे जैसा मानते हैं। संगठन में मजबूत पकड़ बड़े नेताओं से सीधा तालमेल है। वर्तमान में चिंटू वर्मा देपालपुर पीथमपुर और महू में सक्रिय हैं क्योंकि महू कैलाश विजयवर्गी की पुरानी विधानसभा रही है चिंटू ने महू में खूब काम किया है दूसरा कैलाश विजयवर्गी की बड़ी टीम चिंटू का सपोर्ट करेगी परिसीमन में पीथमपुर को अलग किया जा सकता है। देपालपुर में चौबीस अवतार मंदिर बनाने में चिंटू वर्मा की अहम भूमिका रही है मंदिर के सचिव भी है।

भाजपा के जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा के भी भाग्य के द्वारा खुल सकते हैं क्योंकि चावड़ा ने पिछले विधानसभा चुनाव में दावेदारी जताई थी चावड़ा युवा मोर्चा में जिला अध्यक्ष भी रहे उन्होंने क्षेत्र में कई युवाओं को जोड़ा संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया पार्टी ने उन्हें भाजपा जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप रखी है। चावड़ा राजपूत समाज से आते हैं। इंदौर जिले में राजपूत समाज का अच्छा खासा वोट बैंक है। चावड़ा मंत्री कैलाश विजयवर्गी के करीबी माने जाते हैं माना जा रहा है कि जिले में हातोद विधानसभा बनी तो चावड़ा सबसे मजबूत दावेदार होंगे क्योंकि उनका गृहक्षेत्र भी इसी विधानसभा में आता है। दूसरी सबसे बड़ी बात क्षेत्र में चावड़ा का जीवित संपर्क है समाज में सक्रियता है आम कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क चावड़ा का है।

हिंदूवादी नेता राजेंद्र चौधरी देपालपुर में किसी पहचान के मोहताज नहीं हिंदुत्व की छवि लेकर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की पिछले चुनाव में चौधरी ने भाजपा से टिकट मांग की थी टिकट नहीं मिलने पर चौधरी ने देपालपुर से निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़ा लगभग 40 हजार वोट चौधरी विधानसभा चुनाव में लेकर आए कई नेताओं के होश उड़ा दिए क्योंकि देपालपुर में आज तक किसी निर्दलीय प्रत्याशी को इतने वोट नहीं मिले चौधरी ने गांव-गांव समरसता भोज का आयोजन किया था साथ ही जबरेश्वर महादेव मंदिर के निर्माण का संकल्प भी गांव-गांव दिलवाया था चौधरी देपालपुर क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं क्षेत्र के छोटे बड़े आयोजन में आम जनता के बीच पहुंचते हैं युवाओं की लंबी फौज चौधरी के पास है जबरेश्वर सेना के माध्यम से देपालपुर विधानसभा में फिर सक्रिय हो गए अब देखना होगा की 2026 के परिसीमन के बाद इसके भाग्य के दरवाजे खुलते हैं तीनों ही नेता जमीन से जुड़े हैं आम जनता से सीधा संपर्क हैं युवा है तीनों के पास अपनी अपनी टीम है।

भाजपा के लिए दलबदलु नेता सबसे बड़ी चुनौती है क्योंकि कांग्रेस छोड़ने वाले नेता अपनी स्वार्थ की राजनीति के लिए भाजपा में गए हैं लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए भाजपा अपने ही कार्यकर्ताओ को ही सेट नहीं कर पा रही है देखा जाए इंदौर जिले से कई नेता भाजपा में शामिल हुए हैं पूर्व विधायक संजय शुक्ला पूर्व विधायक विशाल पटेल वरिष्ठ नेता पंकज संघवी मोहन सेगर शामिल हैं

इंदौर-उज्जैन-ओंकारेश्वर हेलीकॉप्टर सेवा

यात्री का वजन 80 किलो से ज्यादा तो लगेगा अतिरिक्त शुल्क

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग ने इंदौर से उज्जैन और ओंकारेश्वर के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू की गई है। मध्यप्रदेश में शुरू की गई हेलीकॉप्टर सेवा में अब यात्रियों के वजन का पेंच आ गया है। यात्री का वजन 80 किलो तक है तो ही वह तय टिकट दर में जा सकेगा, इसके ऊपर हुआ तो अतिरिक्त शुल्क लगेगा। यानी मोटे यात्रियों को अतिरिक्त शुल्क। टिकट बुक करते वक्त कंपनी की वेबसाइट transindia.in पर विशेष निर्देश जारी हुए हैं। जिसमें बताया गया है कि हेलीपैड पर हर यात्री का वजन किया जाएगा।

वजन 100 किलो से ज्यादा तो दो टिकट-यदि यात्री का वजन 100 किलो से ज्यादा है तो उसे दो सीटों का किराया देना होगा। यानी दोगुना किराया लग जाएगा। वैसे इंदौर से उज्जैन का किराया 5 हजार और ओंकारेश्वर का साढ़े 6 हजार है। टिकट बुक करते वक्त कंपनी की वेबसाइट https://transbharat.in/पर विशेष निर्देश जारी हुए हैं।

अगर यात्री का वजन 90 किलो है तो 5 हजार रुपए के टिकट के ऊपर उसे 10 किलो के अतिरिक्त वजन के लिए डेढ़ हजार रुपए ज्यादा चुकाना होंगे इस तरह ऐसे यात्री का टिकट साढ़े 6 हजार का होगा। वहीं 100 किलो से ज्यादा के यात्री के लिए इंदौर से उज्जैन का टिकट 10 हजार का होगा। मध्यप्रदेश हेलिकाप्टर टूरिज्म के तहत हेलिकॉप्टर सेवा में कंपनी ने यात्री के वजन के साथ ही सामान का वजन भी तय किया है। इसमें बताया गया है कि हर यात्री अपने साथ अधिकतम 4 किलो वजन तक का सामान ही ले जा सकेगा। फिलहाल सीट हैं खाली-कंपनी की वेबसाइट पर ही बुकिंग में फिलहाल दिख रहा है कि आज, कल और परसों की हर फ्लाइट में 6 सीटें उपलब्ध है। हेलीकॉप्टर की क्षमता भी 6 ही सीटों की है, यानी लगभग सभी सीटें खाली है। इससे पहले हवाई जहाज से इंदौर-उज्जैन के 3 हजार के किराए में भी यात्री नहीं मिल रहे थे,

80 से ऊपर तो हर किलो को दो 150 रुपए

इसका संचालन करने वाली एविएशन कंपनी ने बताया है कि इसमें 80 किलो तक के वजन वाले यात्री ही तय दर पर जा सकेंगे। इससे ज्यादा के यात्रियों को हर किलो के लिए 150 रुपए अतिरिक्त चुकाना होंगे।

हवाई यात्रा : इस साल अब तक 38 लाख 70 हजार ने किया सफर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर एयरपोर्ट पर यात्री संख्या के अब तक के सारे रिकॉर्ड टूट गए। साल 2025 में जनवरी से नवंबर में अब तक करीब 38.70 लाख यात्री सफर कर चुके हैं। 88 साल में इंदौर एयरपोर्ट पर एक साल में यात्री संख्या का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। हर दिन औसत 11 हजार 900 से ज्यादा यात्री सफर कर रहे हैं। इस साल 28 हजार 480 फ्लाइट ने आवाजाही की।

87 फ्लाइट प्रतिदिन इंदौर एयरपोर्ट से संचालित हो रही हैं। अभी नवंबर के नौ दिन और पूरा दिसंबर बाकी है। ऐसे में यात्री संख्या 40 लाख पार कर जाएगी। ऐसा पहली बार होगा। साल 2024 में 38.61 लाख यात्री संख्या थी। यह आंकड़ा इस बार नवंबर में ही पार हो गया है।

इंदौर में बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए ओल्ड टर्मिनल से एटीआर फ्लाइट संचालित होंगी। इसके लिए काम चल रहा है। नए साल से 18 एटीआर विमान यहां से संचालित होंगे।

ऐसे में फ्लाइट संख्या 100 पार हो जाएगी। कारण यह कि इसके बाद पीक ऑवर्स में एयरलाइंस कपनी को नए स्लॉट आसानी से मिल जाएंगे। एयरपोर्ट पर रनवे का काम भी चल रहा है। इस कारण रात 10.30 से सुबह 6 बजे तक फ्लाइट का संचालन पूरी तरह से बंद है। यह काम भी पूरा होने के बाद एयरपोर्ट भी 24 घंटे खुला रहेगा। 1937 में जेआरडी टाटा इंदौर में विमान लेकर आए थे। टाटा हवाई जहाज से चिट्ठियां लेकर पहली फ्लाइट से इंदौर आए थे। इससे पहले 1935 से एयरपोर्ट का काम शुरू हुआ था। टाटा एयरलाइंस ने बंबई (मुंबई), इंदौर-भोपाल-ग्वालियर-दिल्ली के बीच उड़ान शुरू की थी। 1 अप्रैल 1950 से केंद्रीय वित्तीय एकीकरण योजना के अधीन एयरपोर्ट को भारत सरकार को सौंप दिया गया।

गौतमपुरा की 215 छात्राएं जर्जर स्कूल भवन में बैठने को मजबूर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

पाँच साल से नहीं मिला मूलभूत सुविधाओं का मेंटेनेंस फंड

देपालपुर ● गौतमपुरा नगर के शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय (पुराना कन्या शाला) की कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत 215 छात्राएं बीते कई वर्षों से बदहाल व्यवस्थाओं के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं। विद्यालय की स्थिति इतनी दयनीय है कि बच्चियों को रोजाना टॉयलेट, पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जबकि जिम्मेदार विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

1936 में स्थापित यह विद्यालय आज जर्जर हो चुकी छत, टूटी दीवारों और अव्यवस्थित परिसर की वजह से दुर्घटना की आशंका का केंद्र बना हुआ है। स्कूल परिसर में प्रवेश करते ही अव्यवस्थाओं का अंबार दिखाई देता है—टॉयलेट के दरवाजे टूटे हुए, निकासी व्यवस्था ठप हे ऐसे में बालिकाओं को यूरिन इन्फेक्शन का खतरा भी बना रहता हे, इस के अलावा बदबू और गंदगी हमेशा बनी रहती है। वहीं ग्राउंड में गाजर घास और मवेशियों का जमावड़ा बच्चियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

पानी पीने की व्यवस्था भी बेहद दयनीय-विद्यालय में पीने के पानी के लिए सिर्फ एक ही नल है, वह भी जमीन से मात्र डेढ़ फीट ऊँचाई पर। बच्चियों को जमीन पर बैठकर झुककर सीधे नल में मुंह लगाकर पानी पीना पड़ता है। पानी का कनेक्शन सीधे नगर परिषद की बड़ी टंकी से जुड़ा होने के कारण वह बिना छना हुआ पहुंचता है।

डायस न होने से टूटी व्यवस्थाएँ-साल 2020 में हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विभाग नए भवन में शिफ्ट हो गया और उनका डायस भी वहीं चला गया। लेकिन प्राथमिक एवं माध्यमिक विंग को नया डायस आवंटित नहीं हुआ। 2021 से 2024 तक छात्राओं को न यूनिफॉर्म मिली, न छात्रवृत्ति और न ही किसी प्रकार का फंड। वर्ष 2025 में डायस शुरू हुआ, तब जाकर यूनिफॉर्म और छात्रवृत्ति तो मिलना शुरू हो गई, परंतु स्कूल मेंटेनेंस के फंड की ऐप आज तक शुरू नहीं की गई, जिससे विद्यालय की स्थिति लगातार बिगड़ती गई।

फर्नीचर और क्लासरूम की हालत भी खराब-स्कूल में दरी, टाटपट्टी और फर्नीचर की भारी कमी है। मुख्य कक्ष और क्लासरूम की छत में लगे सिमट के पतरे जगह-जगह फूट गए हैं, जिससे बरसात के दिनों में कमरों में पानी भर जाता है। इससे बच्चियों की पढ़ाई प्रभावित होती है और स्कूल में बैठना भी मुश्किल हो जाता है।

प्रधानाध्यापक ने अधिकारियों को दिए कई पत्र

प्रधानाध्यापक बापू सिंह परमार ने मामले को लेकर बीआरसी, डीपीसी, जिला शिक्षा अधिकारी व जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों को लिखित में शिकायत भेजी है, अब बस समाधान की उमेद लगाकर बैठे हे ।

इनका कहना

मुझे आए अभी कुछ महीने ही हुवे पर गौतमपुरा के स्कूल की फंड समस्या व अन्य समस्या का आवेदन मुझे प्राप्त हुआ हे जिसे हमारे द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालय पहुंचा गया जो अभी प्रक्रिया में हे उम्मीद हे उच्च अधिकारीयो के जल्द निर्देश मिलते ही स्कूल की समस्या का निदान हो जाएगा। **- गणेश सोलंकी**
बीआरसी देपालपुर

विद्यालय की इन अव्यवस्थाओं को देखते हुए अभिभावक भी चिंता में हैं कि आखिर ऐसी परिस्थितियों में बच्चियां कैसे पढ़ेंगी और आगे बढ़ेंगी। स्कूल के जल्द से जल्द सुधार की मांग क्षेत्र में जोर पकड़ रही है।

कलेक्टर के निर्देश पर आरटीओ ने की स्कूली वाहनों पर कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर आरटीओ ने ग्रामीण क्षेत्र कनाड़िया खण्डवा रोड पर संचालित स्कूलों के स्कूली वाहनों की सघन जांच की। जांच दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित अन्य दस्तावेजों की चेकिंग की गई। वाहनों का निरीक्षण भी किया गया जिसमें चेक किया गया की वाहन फिटनेस शर्तो, परमिट शर्तों का उल्लंघन तो नही कर रहा है। फायर सेफ्टी उपकरण, स्पीड गवर्नर सही से काम तो कर रहे है। साथ ही बच्चों और उनके पालकों से फीडबैक भी लिया गया की वाहन चालक , वाहन को तेज गति से तो नही चलाते है, या वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग तो नहीं करते है।

चेकिंग के दौरान 04 स्कूली वाहन सहित एक बस बिना परमिट, बिना फिटनेस पायी गई, जिसे भी जप्त किया गया । साथ ही 05 स्कूली बस जो की बिना फिटनेस पाये जाने पर मोके पर ही जुर्माना लगाया गया। साथ ही अंतरराज्यों में संचालित बसों की भी चेकिंग की गई।

चुनाव के पहले बड़ा दाव : यशवंत क्लब में संविधान संशोधन की सुगबुगाहट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के प्रतिष्ठित यशवंत क्लब मैनेजिंग कमेटी के लिए जून 2026 में चुनाव होना है। वर्तमान मैनेजिंग कमेटी में चेयरमैन टोनी सचदेवा और सचिव संजय गोरानी की टीम है। यह टीम लगातार दो बार चुनाव जीत चुकी है। इनके सामने विरोधी पैनल का सूपड़ा साफ हुआ था। अब चुनाव के सात माह पहले क्लब में एक बड़ी सुगबुगाहट शुरू हो गई है।

यह सुगबुगाहट एक बड़े संविधान संशोधन से जुड़ी हुई है। अभी क्लब के संविधान के मुताबिक दो बार लगातार चुनाव जीतने के बाद पदाधिकारी को एक टर्म चुनाव लड़ना प्रतिबंधित होता है। वह इसके बाद ही अगला चुनाव लड़ सकता है। अब इसी बिंदु पर क्लब में चर्चा चल रही है। एक गुट इस पर सदस्यों से अलग-अलग बात कर उनके विचार जाने जा रहे हैं। ताकि कोई भी प्रस्ताव लाने से पहले एक बार माहौल बनाया जा सके।

क्या प्रस्ताव लाने की चल रही बात-सदस्य इस बात पर गहन विचार-विमर्श कर रहे हैं कि क्या बदलाव संभव है। वे संविधान के एक महत्वपूर्ण प्रावधान को बदलने पर सोच रहे हैं।

यह प्रावधान दो टर्म के बाद चुनाव लड़ने पर लगी रोक से जुड़ा है। रोक खत्म होने पर संभावित असर क्या होगा। इस पर बात हो रही है। क्लब के कुछ

वरिष्ठ सदस्यों ने विधिक जानकारों से सलाह ली है। वे कानूनी पहलुओं को समझने और आगे की रणनीति बनाने में लगे हैं।

संशोधन करने के लिए यह करना होगा-संशोधन करना है तो इसके लिए विशेष सभा यानी ईओजीएम बुलाना होगी। इसमें प्रस्ताव पास होने पर फिर यह फर्म एंड सोसायटी के पास जाएगा। उसकी मंजूरी के बाद यह संविधान संशोधन हो जाएगा। इसमें विधिक तौर पर कोई समस्या भी नहीं है। लेकिन हिसाब इसी बात का लगाया जा रहा है कि क्या सदस्य इसे मंजूर करेंगे। भले ही ईओजीएम में अपने समर्थक बुलाकर इसे पास कर लिया जाए। लेकिन इसका खामियाजा कहीं चुनाव में नहीं भुगतना पड़ जाए। प्रस्ताव लाने वालों के खिलाफ वोटिंग नहीं हो जाए, इसे भी समझने की कोशिश की जा रही है।

इंदौर का यशवंत क्लब में संशोधन प्रस्ताव को ऐसे समझें

- यशवंत क्लब के जून 2026 के चुनाव से पहले संविधान संशोधन पर चर्चा शुरू हो गई है।
- वर्तमान संविधान के अनुसार, दो टर्म जीतने के बाद चुनाव लड़ने पर रोक होती है।
- एक गुट संविधान के इस प्रावधान को बदलने के लिए सदस्यों से विचार-मंथन कर रहा है।
- क्लब के वरिष्ठ सदस्य विधिक जानकारों से सलाह लेकर प्रस्ताव पर रणनीति बना रहे हैं।
- संशोधन के लिए विशेष सभा (ईओजीएम) बुलानी होगी, प्रस्ताव पास होने के बाद मंजूरी फर्म एंड सोसायटी से मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।